Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 290
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-सोमवार,16 फरवरी 2026 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 रि-शिड्यूलिंग, नियंत्रण एवं शॉर्ट टर्मिनेशन 4 टोरंटो पुलिस के घिनौने कृत्यों ने उजागर किया 5 सारा अर्जुन ने अपने फैंस को दी 'महाशिवरात्रि'

सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक-जलाभिषेक, की प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना

गोरखपुर : देवाधिदेव महादेव भोले शंकर की उपासना के पावन पर्व महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। देवाधिदेव महादेव भोले शंकर की उपासना के पावन पर्व महाशिवरात्रि पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने अँधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर और भरोहिया के पितेश्वरनाथ शिव मंदिर में भी दर्शन, पूजन व दुग्धाभिषेक-जलाभिषेक किया और चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की। रविवार सुबह जनता दर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में भगवान भोले शंकर का दुग्ध, दही, घी, मधु और शर्करा से पंच स्नान कराया। इसके बाद विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने चराचर जगत के मंगल हेतु महादेव भगवान शिव से प्रार्थना की। गोरक्षपीठ में रुद्राभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अँधियारी बाग के प्राचीन मानसरोवर मंदिर भी गए। यहां उन्होंने भोलेनाथ का दर्शन पूजन। भगवान शिव को विविध पूजन सामग्री अर्पित कर, पंचस्नान कराकर दूध और जल से उनका अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए पूजन, अभिषेक का अनुष्ठान हवन और आरती के साथ पूर्ण हुआ। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में महाशिवरात्रि पर सीएम योगी रविवार दोपहर बाद भरोहिया स्थित पितेश्वरनाथ शिव मंदिर पहुंचे। यहां बाबा पितेश्वरनाथ का दर्शन, पूजन व विधि विधान से जलाभिषेक कर संपूर्ण मानव जाति के कल्याण, सुख-समृद्धि एवं शांति की प्रार्थना की। पांडवकालीन मान्यता वाले पितेश्वरनाथ मंदिर का गोरक्षपीठ से गहरा नाता है। गोरक्षपीठाधीश्वर हर महाशिवरात्रि यहां जलाभिषेक करने आते हैं। जलाभिषेक करने के बाद मुख्यमंत्री ने भरोहिया में शिव मंदिर के सामने स्थित गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ के परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। बच्चों से बातचीत कर उन्हें आशीर्वाद दिया। स्थानीय खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाई और उनका उत्साहवर्धन किया। भरोहिया में मुख्यमंत्री के आगमन पर विधायक फतेह बहादुर सिंह, भरोहिया के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संजय सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

भारत सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र है: मोहन भगवत

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भगवत ने भारत को सद्भावना और सामाजिक सामंजस्य का वैश्विक केंद्र बताते हुए रविवार को जोर देकर कहा कि देश की सभ्यतागत विचारधारा लेन-देन वाले संबंधों के बजाय एकता और आपसी जुड़ाव की भावना पर आधारित है। आरएसएस के मीडिया प्रकोष्ठ ने यह जानकारी दी। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा, कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है। हमारे देश में मानवीय रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित हैं। भारत की विविधता पर प्रकाश डालते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा, हम भारत को अपनी माता मानते हैं। वही दिव्य चेतना हम सब में निवास करती है। यही बंधन हमें हमारी भिन्न-भिन्न पहचानों के बावजूद एकजुट रखता है। उन्होंने कहा कि समाज को कायम रखने के लिए केवल कानून लागू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी आवश्यक है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि यह उपलब्धि जश्न मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का विषय है। उन्होंने सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए साल में दो से तीन बार खंड विकास स्तर की बैठकें आयोजित करने का आह्वान किया और समुदायों से जातिगत सरोकारों से परे व्यापक हिंदू समाज के लिए काम करने का आग्रह किया। भागवत ने कहा, समाज को स्वयं कार्रवाई करनी होगी। संघ सहायता करेगा, लेकिन जिम्मेदारी समाज की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा स्वार्थहीन भाव से संकट के समय अन्य देशों की सहायता की है।

सार संक्षेप

भारतीय महिला स्पिनरों ने फिर पाकिस्तान को चटाई धूल

बैंकॉक। कप्तान राधा यादव की शानदार स्पिन गेंदबाजी के बाद दिनेश वृंदा के तूफानी नाबाद अर्धशतक की बदौलत भारत (ए) ने रविवार को महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स में पाकिस्तान (ए) को 59 गेंद शेष रहते आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। भारत (ए) महिला टीम की यह टूर्नामेंट में पहली जीत है। टीम को शुक्रवार को पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) महिला टीम से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान (ए) पर जीत के साथ भारत (ए) महिला टीम ग्रुप ए में यूएई के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारत (ए) के स्पिनरों ने अपनी सटीक गेंदबाजी से आपस में पांच विकेट साझा कर पाकिस्तान को दबाव में डाल दिया। पाकिस्तान की टीम 18.5 ओवर में महज 93 रन पर आउट हो गयी। राधा (तीन ओवर में 11 रन पर दो विकेट) ने दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आक्रमण की अगुवाई की, वहीं प्रेमा रावत (तीन ओवर में 16 रन पर दो विकेट) और मिन्नू मणि (2.5 ओवर में 10 रन पर एक विकेट) ने सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान के बल्लेबाज कोई साझेदारी नहीं बना सकें।

वकील हत्याकांड, शिवपुरी में शूटर का शॉर्ट एनकाउंटर, पुलिस पर की थी फायरिंग, 3 शूटर गिरफ्तार

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना (57) की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीन शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के दौरान रविवार सुबह एक आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ भी हुई, जिसमें उसे पैर में दो गोलियां लगीं। जानकारी के अनुसार करैरा थाना क्षेत्र के चिरली तिराहा के पास पुलिस को आरोपियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी पपेंद्र रावत (23), निवासी चांदपुर, डबरा ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी। उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने बड़ौनी के घुघसी निवासी गोलू रावत (25), डबरा के चांदपुर निवासी पपेंद्र रावत (23) और बड़ौनी के घुघसी निवासी जहीर मुसलमान (24) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शनिवार को गोलू रावत ने कट्टे से संजय सक्सेना की पीठ पर गोली मारी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने बताया कि वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी।

महाशिवरात्रि पर उपराष्ट्रपति और पीएम मोदी समेत राहुल गाँधी ने दी बधाई

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, सभी देशवासियों को भक्ति, शक्ति और भगवान भोलेनाथ को समर्पित पावन पर्व महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, काशी से रामेश्वरम तक, महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व भारत की अखंड और शाश्वत आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक है। महादेव और माता पार्वती की कृपा से हम सभी को सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हो-यही मंगलकामना है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, देशभर के मेरे परिवारजनों को महाशिवरात्रि की ढेरों शुभकामनाएं। मेरी कामना है कि आदिदेव महादेव सदैव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। उनके आशीर्वाद से सबका कल्याण हो और हमारा भारतवर्ष समृद्धि के शिखर पर विराजमान हो। हर हर महादेव। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवाधिदेव महादेव की उपासना को समर्पित पावन पर्व श्महाशिवरात्रिश के अवसर पर प्रदेशवासियों और तीर्थराज प्रयाग में स्नान करने पहुंचे श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर आज तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिये पधारे सभी पूज्य साधु-संतों, धमार्चार्यों, कल्पवास के लिए आए साधकों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन है। उन्होंने प्रार्थना की कि देवाधिदेव महादेव एवं पुण्य प्रदायिनी मां गंगा की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे। साधकों की साधना सफल हो तथा श्रद्धालुओं के मनोरथ पूर्ण हों। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश का समापन हर हर महादेव के उद्घोष के साथ किया। गौरतलब है कि प्रयागराज में महाशिवरात्रि के अवसर पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के पवित्र संगम में स्नान करने वालों का तांता लगा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु रविवार सुबह से ही संगम नोज पर स्नान करने के लिए पहुंचने लगे थे। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के पवित्र संगम की रेती पर लगे विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और आध्यात्मिक सालाना मेले का रविवार को 44वां और अंतिम दिन है। माघ मेले के छठवें और आखिरी स्नान पर्व यानी महाशिवरात्रि पर रविवार को त्रिवेणी संगम में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। पुलिस, पीएसी और आरएएफ को तैनात किया गया है। वहीं एटीएस के कमांडो भी मेले में चप्पे पर नजर रख रहे हैं। मेले की सुरक्षा मे 400 सीसीटीवी कैमरों से कराई जा रही है। इसमें डेढ़ सौ से ज्यादा एआई कैमरे भी लगाए गए हैं। आज करीब एक करोड़ श्रद्धालुओं के पवित्र स्नान करने की उम्मीद है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महाशिवरात्रि पर्व पर आज देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और सबकी समृद्धि की मंगल कामना की है।

तमिलनाडु में आज से हल्की बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

चेन्नई आरएमसी चेन्नई ने सोमवार को दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना जताई है। मौसम विभाग द्वारा जारी मौसम

बुलेटिन के अनुसार, पूर्वी हिंद महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में वर्तमान में एक ऊपरी-वायु चक्रवातीय परिसंचरण व्याप्त है। इसके प्रभाव से, लगभग 16 फरवरी के आसपास दक्षिण बंगाल की खाड़ी और उससे सटे हिंद महासागर में एक निम्न दबाव क्षेत्र विकसित होने की आशंका है। इस प्रणाली के बनने से आने वाले दिनों में तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के मौसम पर असर पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि इन क्षेत्रों में 15 से 18 फरवरी तक शुष्क मौसम रहने की उम्मीद है।

हालांकि, 19 और 20 फरवरी को तमिलनाडु में एक या दो स्थानों पर छिटपुट हल्की बारिश होने की संभावना है। हालांकि इस समय व्यापक वर्षा की आशंका नहीं है, लेकिन सिस्टम की गति और तीव्रता के आधार पर स्थानीय स्तर पर मौसम में बदलाव हो सकते हैं। अधिकारी बंगाल की खाड़ी में हो रहे घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रख रहे हैं और उन्होंने मछुआरों और तटीय निवासियों को अद्यतन पूर्वानुमानों पर नजर रखने की सलाह दी है। इस बीच, तमिलनाडु के कई उत्तरी जिलों में मध्यम दर्जे के कोहरे की स्थिति का पूर्वानुमान लगाया गया है। 16 फरवरी को, चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू में इसी तरह के कोहरे की स्थिति बनी रहने और विल्लुपुरम और कुड्डालोर जिलों तक फैलने की उम्मीद है।

हरिद्वार में महाशिवरात्रि की धूम, दक्षेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

हरिद्वार। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर धर्मनगरी हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। शहर के प्रमुख शिवालयों में दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। विशेष ज्योतिषीय महत्व के कारण इस बार श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में अधिक बताई जा रही है। दक्षेश्वर महादेव मंदिर के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें लगी हुई हैं। प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात है तथा भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रातःकालीन मुहूर्त से ही श्रद्धालु गंगाजल और पूजन सामग्री के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और पूरा मंदिर परिसर बोल बमह्ब और हर-हर महादेव के जयघोष से निरंतर गूंज रहा है। दक्षेश्वर महादेव मंदिर पुजारी महंत रविंद्र पुरी ने कहा, ष्महाशिवरात्रि के अवसर पर उत्तराखंड और पूरे देश के सभी श्रद्धालुओं और नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं। फाल्गुन महीने में मनाई जाने वाली महाशिवरात्रि, दिवाली, होली और कालाष्टमी के साथ वर्ष की चार प्रमुख रातों में से एक है। आस्था की दृष्टि से दक्षेश्वर महादेव मंदिर की बहुत मान्यता है क्योंकि ये भगवान शिव की ससुराल है और मां सति का जन्मस्थान भी। 300 वर्षों बाद ऐसा शुभ-संयोग महाशिवरात्रि पर बना है, जिसमें कुंभ राशि में 5 ग्रह एक साथ आ रहे हैं और ऐसे में जो भी लोग भगवान शिव की मानसिक और शारीरिक रूप से पूजा करेंगे, उनकी हर मनोकामना पूरी होगी। उन्होंने आगे कहा, महाशिवरात्रि सिर्फ मां पार्वती और शिव की शादी का दिन नहीं है, बल्कि ये प्रकृति के मिलन का दिन भी है। मां पार्वती प्रकृति स्वरुप हैं, जो आज के दिन भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती है। हरिद्वार के अलावा, देहरादून के टपकेश्वर महादेव मंदिर में भी आस्था की भीड़ उमड़ रही है।

पीएम मोदी नहीं जाएंगे बांग्लादेश, तारिक रहमान के शपथग्रहण में लोकसभा स्पीकर होंगे शामिल

नईदिल्ली। बांग्लादेश के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी नहीं जाएंगे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भारत बांग्लादेश भेज रहा है। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भी होंगे। यह समारोह 17 फरवरी को ढाका के राष्ट्रीय संसद भवन के साउथ प्लाजा में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रण मिला था, लेकिन वे मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से द्विपक्षीय वार्ता और दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट की तैयारी के कारण नहीं जा पा रहे। हाल ही में बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी

(बीएनपी) ने भारी जीत दर्ज की। तारिक रहमान 17 साल के निर्वासन के बाद दिसंबर 2025 में लंदन से वापस लौटे थे, अब प्रधानमंत्री पद संभालने जा रहे हैं। उनके पिता जिया उर रहमान बीएनपी के संस्थापक थे और मां खालिदा जिया पूर्व प्रधानमंत्री रही हैं। 2008 में भ्रष्टाचार के आरोपों में देश छोड़ने वाले रहमान ने चुनाव में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर इतिहास रच दिया। यह चुनाव 2024 के छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद पहला था। रहमान ने जीत के बाद राष्ट्रीय एकता का आह्वान किया और कहा कि वे लोकतंत्र, कानून व्यवस्था और आर्थिक स्थिरता को मजबूत करेंगे। भारत के साथ कैसे होंगे रिश्ते? प्रधानमंत्री मोदी ने 13 फरवरी को तारिक रहमान को फोन पर बधाई दी और उन्हें लोकतंत्र की रक्षा करने वाले सभी बलिदानों को याद किया। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने 13 देशों के नेताओं को आमंत्रित किया, जिसमें चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब और मलेशिया जैसे देश शामिल हैं। भारत की ओर से उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला दोनों देशों के बीच नई शुरूआत का प्रतीक है। बीएनपी ने हमेशा भारत के साथ संतुलित संबंधों पर जोर दिया है और रहमान ने कहा है कि वे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता नहीं रखेंगे, बल्कि व्यापक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी बनाएंगे।

काशी समेत प्रदेश के शिवालयों में उमड़े श्रद्धालु, दर्शन-पूजन के लिए प्रशासन की विशेष व्यवस्थाएं

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी समेत प्रदेश के अन्य शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर जलाभिषेक किया और मंगल कामना की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक कर लोकमंगल की कामना की। काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर की मंगला आरती के बाद श्रद्धालु कतारों में लगकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं। मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने बताया कि पिछले वर्ष महाशिवरात्रि पर लगभग 12 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि इस बार 10 से 15 लाख लोगों के आने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि पांच लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले धाम में सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई है। मिश्रा ने बताया कि भीड़ प्रबंधन के लिए अवरोधक लगाए गए हैं और छह द्वारों से दर्शन कराए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तीन स्थानों पर चिकित्सीय टीम भी तैनात हैं। मंदिर प्रशासन ने सुबह कतार में लगे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की। बाबा विश्वनाथ 45 घंटे तक लगातार दर्शन देंगे। मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर मंदिर विश्व का आध्यात्मिक संगम बन रहा है और 62 बड़े मंदिरों से भोग-वस्त्र भेजे गए हैं। देश के 54 प्रमुख ज्योतिर्लिंगों, शक्तिपीठों और तीर्थस्थलों से आए प्रसाद, वस्त्र और तीर्थजल को अर्पित करने की परंपरा भी शुरू की गई है।

राहुल गांधी को अमित शाह ने दी चुनौती, कहा- किसी भी मंच पर बहस कर लें, किसने किया किसानों का नुकसान

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में भारत की पहली सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर जमकर प्रहार किया और यूएस ट्रेड डील पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं कि यूरोपीय यूनियन, इंग्लैंड के साथ एफटीए और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हित को नुकसान पहुंचाया है। मैं राहुल गांधी को चौलेंज देना चाहता हूं, कोई भी मंच तय कर लीजिए, भाजपा के युवा मोर्चा का अध्यक्ष आकर बहस कर लेगा कि किसानों का नुकसान किसने किया है। उन्होंने कहा कि मैं देश के किसानों से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं और आपको गुमराह कर रहे हैं। इंग्लैंड और यूरोपीय यूनियन के साथ हुए एफटीए और अमेरिका से हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हितों की सुरक्षा की है। तीनों समझौतों में डेयरी क्षेत्र को भी पूरी तरह सुरक्षा देने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। इसके माध्यम से हमारे कृषि उत्पाद और मत्स्य उत्पादों को दुनिया के बाजार में पहुंचाने का रास्ता भी खोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं फिर से एक बार भारत के मछुआरों, पशुपालकों और किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी भी आपके हितों के साथ समझौता नहीं किया है, न ही कर सकते हैं, यह असंभव है। यह काम तो मनमोहन सिंह की सरकार ने डंकल प्रस्ताव पर साइन करके किया था। देश की जनता ने 2014 में कांग्रेस को टाटा बाय-बाय कर दिया, पीएम मोदी आए और उस समझौते को बदल दिया। मनमोहन सरकार ने पूरे विश्व के लिए भारत का कृषि बाजार खोल दिया था। आज पीएम मोदी किसानों की सुरक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़े हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने 70 साल में एक बार कर्जमाफी का झुनझुना पकड़ाकर किसानों को गुमराह किया। पीएम मोदी ने 10 साल से 6,000 रुपए प्रति वर्ष देकर किसानों को लोन लेने की नौबत ही न आए, ऐसी व्यवस्था की। कांग्रेस का नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करता रहा है।

रि-शिड्यूलिंग, नियंत्रण एवं शॉर्ट टर्मिनेशन/ ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल के बेतिया-कुमारबाग स्टेशनों के मध्य प्री-नॉन इंटरलॉकिंग/नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन, रि-शिड्यूलिंग, नियंत्रण एवं शॉर्ट टर्मिनेशन/ ओरिजिनेशन निम्नवत किया जायेगा।

मार्ग परिवर्तन-

-रक्सौल से 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रक्सौल-सगौली-बेतिया-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जायेगी।

-बरौनी से 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 19038 बरौनी-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मुजफ्फरपुर-सगौली-बेतिया-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जायेगी।

-बान्द्रा टर्मिनस से 15 फरवरी, 2026 को चलने वाली 19037 बान्द्रा टर्मिनस-बरौनी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग नरकटियागंज-बेतिया-सगौली के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई गई।

-मुजफ्फरपुर से 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 12557 मुजफ्फरपुर-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग सगौली-बेतिया-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सगौली-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जायेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनल से 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 12558 आनन्द विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग नरकटियागंज-बेतिया-सगौली के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल-सगौली के रास्ते चलाई जायेगी।

-आनन्द विहार टर्मिनल से 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 15274 आनन्द विहार टर्मिनल-रक्सौल एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग नरकटियागंज-बेतिया-सगौली-रक्सौल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल के रास्ते चलाई जायेगी।

-कटिहार से 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 15705 कटिहार-दिल्ली एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मुजफ्फरपुर-बापूधाम मोतिहारी-बेतिया-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जायेगी।

-गोरखपुर से 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 26502 गोरखपुर-पाटलिपुत्र वंदे भारत एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग नरकटियागंज-बेतिया-सगौली के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल-सगौली के रास्ते चलाई गई। -पाटलिपुत्र से 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को चलने वाली 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग सगौली-बेतिया-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग सगौली-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई गई। -भागलपुर से 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 09452 भागलपुर-गांधीधाम विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग सगौली-बेतिया-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जायेगी। -मुजफ्फरपुर से 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 15001 मुजफ्फरपुर-देहरादून एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मुजफ्फरपुर-सगौली-बेतिया-नरकटियागंज के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मुजफ्फरपुर-सगौली-रक्सौल-सिकटा-नरकटियागंज के रास्ते चलाई जायेगी। -अमृतसर से 15 एवं 16 फरवरी, 2026 को चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग नरकटियागंज-बेतिया-बापूधाम मोतिहारी-मुजफ्फरपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग नरकटियागंज-सिकटा-रक्सौल-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जायेगी।

एक हादसे ने दो परिवारों की छीनी खुशियां, दो बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत एक घायल

आजमगढ़। आजमगढ़ में दर्दनाक हादसा हुआ। इस दौरान दो की मौत हो गई, जबकि एक घायल है। दोनों शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर घटना की जानकारी मिलते

ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। आजमगढ़ जिले के लौदह इमादपुर गांव के पास शनिवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। घटना में दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसा उस समय हुआ जब पीछे से आ रही एक अनियंत्रित बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। क्या है पूरा मामला जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब आठ बजे तीन दोस्त बाइक से मेंहनगर बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहनगर पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने 20 वर्षीय आशीष को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल 16 वर्षीय सुमित और निखिल को बेहतर उपचार के लिए पीजीआई मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान सुमित ने भी दम तोड़ दिया, जबकि निखिल का उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि मृतक आशीष दो भाइयों में बड़ा था और इंटरमीडिएट का छात्र था। वहीं सुमित अपने भाइयों में तीसरे नंबर पर था। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। पूरे इलाके में शोक की लहर है। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में तहरीर प्राप्त हुई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

2026 को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 03131/03132 सियालदह-गोरखपुर-सियालदह होली विशेष गाड़ी का संचलन सियालदह से 26 फरवरी तथा 02 एवं 05 मार्च, 2026 को तथा गोरखपुर से 27 फरवरी तथा 03 एवं 06 मार्च, 2026 को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 03131 सियालदह-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 26 फरवरी तथा 02 एवं 05 मार्च, 2026 को सियालदह से 23.50 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन नैहाटी से 00.42 बजे, बैण्डेल से 01.14 बजे, बर्द्धमान से 02.06 बजे, दुगार्पुर से 03.08 बजे, आसनसोल से 03.41 बजे, चित्तरंजन से 04.06 बजे, मधुपुर से 04.45 बजे, जसीडीह से 05.12 बजे, झाझा से 07.00 बजे, किऊल से 07.50 बजे, बरौनी से 10.25 बजे, शाहपुर पटोरी से 11.12 बजे, हाजीपुर से 12.10 बजे, सोनपुर से 12.22 बजे, छपरा से 14.20 बजे, सीवान से 15.25 बजे तथा देवरिया सदर से 16.32 बजे छूटकर गोरखपुर 18.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 03132 गोरखपुर-सियालदह होली विशेष गाड़ी 27 फरवरी तथा 03 एवं 06 मार्च, 2026 को गोरखपुर से 21.00 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 22.02 बजे, सीवान से 23.20 बजे, दूसरे दिन छपरा से 01.05 बजे, सोनपुर से 02.10 बजे, हाजीपुर से 02.25 बजे, शाहपुर पटोरी से 03.12 बजे, बरौनी से 04.30 बजे, किऊल से 06.42 बजे, झाझा से 08.05 बजे, जसीडीह से 08.39 बजे, मधुपुर से 09.05 बजे, चित्तरंजन से 09.45 बजे, आसनसोल से 10.55 बजे, दुगार्पुर से 11.28 बजे, बर्द्धमान से 13.08 बजे, बैण्डेल से 14.12 बजे तथा नैहाटी से 14.56 बजे छूटकर सियालदह 16.20 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 10, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 24 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 03527/03528 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल होली विशेष गाड़ी का संचलन आसनसोल से 01 मार्च, 2026 को तथा गोरखपुर से 02 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा। 03527 आसनसोल-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 01 मार्च, 2026 को आसनसोल से 13.20 बजे प्रस्थान कर चित्तरंजन से 13.44 बजे, जामताड़ा से 13.59 बजे, मधुपुर से 14.27 बजे, जसीडीह से 14.49 बजे, झाझा से 16.30 बजे, किऊल से 17.11 बजे, बरौनी से 19.25 बजे, शाहपुर पटोरी से 20.27 बजे, हाजीपुर से 21.20 बजे, सोनपुर से 21.32 बजे, छपरा से 23.20 बजे, दूसरे दिन सीवान से 00.15 बजे, भटनी से 00.57 बजे तथा देवरिया सदर से 01.27 बजे छूटकर गोरखपुर 03.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 03528 गोरखपुर-आसनसोल होली विशेष गाड़ी 02 मार्च, 2026 को गोरखपुर से 06.30 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 07.25 बजे, भटनी से 07.57 बजे, सीवान से 08.40 बजे, छपरा से 09.45 बजे, सोनपुर से 10.50 बजे, हाजीपुर से 11.05 बजे, शाहपुर पटोरी से 11.47 बजे, बरौनी से 13.30 बजे, किऊल से 15.02 बजे, झाझा से 17.35 बजे, जसीडीह से 18.08 बजे, मधुपुर से 18.34 बजे, जामताड़ा से 19.04 बजे तथा चित्तरंजन से 19.18 बजे छूटकर आसनसोल 21.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 11, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 24 कोच लगाये जायेंगे।

एक ही रात में बभनान के दो वार्डों के छह घरों में चोरी

बभनान। कस्बे के शिवाजी व राम जानकी नगर वार्ड में एक ही रात शुक्रवार को चोरों ने छह घरों में दस्तक दी। घरों से बॉक्स व संदूक निकाल ले गए जो सुबह गन्ने के खेत में मिला। चोर अपना जूता भी छोड़ कर चले गए। सूचना पर डायल 112 व पैकोलिया पुलिस पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, पैकोलिया थाना क्षेत्र के उसका गांव के पूरब धर्मराज सिंह के घर पर पहुंचे चोरों ने एक कमरे को निशाना बनाते हो उसमें रखे दो बॉक्स लेकर भाग गए। इसके बाद इसी गांव के विश्वनाथ सिंह के घर पहुंचे, जहां एक कमरे में रखे दो बक्सों को लेकर कर बाहर निकल गए और किसी को भनक तक नहीं लग पाई। इसी गांव के राजन सिंह के घर पर चोरों ने धावा बोला। इस बीच घर की एक महिला जग गई और सिर्फ एक बैग ही लेकर चोर भाग पाए। इसके बाद गांव के चंद्र किशोर सिंह के घरों पर भी चोर ने धावा बोला, मगर जग जाने के बाद वहां चोर कामयाब नहीं हो पाए। घटना के बाद रात में ही गांव में डायल 112 की टीम पहुंची। धर्मराज सिंह ने बताया कि उसके घर से जो दो बॉक्स चोर ले गए, वह सुबह गांव के बगल गन्ने के खेत में मिल गया। बॉक्स में कागजात व कपड़े थे, जिन्हें चोर छोड़ गए। विश्वनाथ सिंह के घर से भी जो बॉक्स ले गए थे, उसमें कपड़े के अलावा कुछ सामान भी थे। इसके बाद चोर पैकोलिया थाना क्षेत्र के राम जानकी नगर वार्ड में चेतरा गांव पहुंचे। गांव के पंचराम शर्मा के घर में घुसे चोर बॉक्स को चुरा ले गए। ग्रामीणों ने सुबह उस बॉक्स को गांव के बाहर बरामद किया। इसी गांव के विनोद शर्मा के घर भी चोर पहुंचे थे, जहां चोर चोरी करने में कामयाब नहीं हो पाए। एक ही रात छह घरों में चोरों के दस्तक के बाद गांव में दहशत का माहौल है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक पैकोलिया केके साहू ने बताया कि दो गांव में छह घरों में कर घुसे हैं, मगर नकदी व जेवरात चोरी नहीं हो पाया है।

वीबी जीरामजी के आगे मनरेगा के 12 हजार अधूरे काम चुनौती 30 हजार से अधिक मजदूरों की मजदूरी अटकी

कानपुर। मनरेगा को एक अप्रैल से विकसित भारत-गारंटी मिशन में बदला जाना है, लेकिन 12 हजार से अधिक अधूरे कार्यों और तीन करोड़ के बकाया भुगतान ने प्रशासन की राह मुश्किल कर दी है। अब 31 मार्च तक काम पूरा करने की चुनौती है। अभी चार वित्तीय वर्षों में शुरू हुए 12,346 कार्य पूरे नहीं हो सके हैं। इन अधूरे कामों से जुड़े 30 हजार से अधिक मजदूरों की मजदूरी और लगभग तीन करोड़ रुपये की निर्माण सामग्री का भुगतान भी अटक गया है। मनरेगा के तहत कार्यों में देरी का मुख्य कारण समय पर बजट जारी न होना है। सीमा 125 दिन करने का प्रस्ताव इसके परिणामस्वरूप 10 ब्लॉकों में शुरू हुए 1,05,674 कार्यों में से केवल 93,328 ही पूरे हो पाए हैं, जो 88.32 फीसदी है। केंद्र सरकार की ओर से 31 मार्च तक सभी लंबित कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। नई व्यवस्था में सालाना रोजगार की सीमा 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन करने का प्रस्ताव है। विवादों में फंसा चकरोड निर्माण बिल्हौर ब्लॉक में वर्ष 2022-23 में शुरू हुआ चकरोड निर्माण विवादों में फंसकर शुरूआती चरण में ही रुक गया। मनरेगा नियमों के अनुसार 30 प्रतिशत से कम प्रगति वाले कार्यों में मजदूरी भुगतान संभव नहीं है जिससे काम बंद हो गया और मजदूरों का भुगतान अटक गया। जिले में करीब 1500 मजदूर कर रहे काम जिले की 590 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के कार्य कराए जाते हैं। वर्तमान समय में करीब 38 हजार से अधिक मजदूर पंजीकृत हो सके हैं। हालांकि अभी बायोमिट्रिक का कार्य हो रहा है। इसमें करीब 1500 मजदूर ही सक्रिय हैं। 252 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी

है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में 5 लाख मानव दिवस सृजित हो सके हैं। जो भी अधूरे कार्य है उन्हें पूरे कराने के सभी बीडीओ को निर्देश दिए हैं। प्रयास है कि मार्च तक सभी अधूरे कार्य पूरे करा लिए जाएं। जो 30 फीसदी से कम काम है उसका भुगतान नहीं होगा।

ग्रेटर कानपुर विकसित करने के लिए आगे आईं तीन कंपनियां, केडीए जल्द जारी करेगा वर्क ऑर्डर, पढ़ें डिटेल

कानपुर। केडीए ने 5000 एकड़ में ग्रेटर कानपुर बसाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। तीन कंपनियों की

तकनीकी बिड स्वीकृत हो गई है। यहां ई-व्हीकल और मेडिसिटी जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ आधुनिक आवासीय टाउनशिप बनेगी। ग्रेटर कानपुर योजना विकसित करने के लिए तीन कंपनियां आगे आई हैं। के डीए ने टेक्निकल बिड का अध्ययन पूरा करके स्वीकृति के लिए भेज दिया है। फाइनेंशियल बिड भी जल्द से जल्द खोलकर कार्यादेश जारी करने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री की शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत इसका विकास होगा। केडीए ने नवी मुंबई की तर्ज पर कानपुर-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग के पास भीमसेन रेलवे स्टेशन और आउटर रिंग रोड के बीच 5000 एकड़ में ग्रेटर कानपुर योजना विकसित करने की योजना बनाई है। योजना स्थल में रिंग रोड और रेलवे स्टेशन के पास ई-व्हीकल पार्क, मेडिसिटी पार्क और एमएसएमई पार्क बनेंगे। मिलेंगी ये सुविधाएं ई-व्हीकल पार्क में ई-वाहन बनाने वाली कंपनियों को जमीन आवंटित की जाएगी। मेडिसिन पार्क में दवा कारखाने और एमएसएमई में लघु उद्योग स्थापित होंगे। शेष जमीन पर आवासीय प्लॉट, मल्टीस्टोरी, बेयरहाउस, मॉल, मल्टीप्लेक्स, व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स आदि बनेंगे। 30 जनवरी को तीन कंपनियों ने टेंडर डाले थे बीते साल 23 दिसंबर को आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) जारी किया गया था। आरएफपी के तहत योजना का ले-आउट तैयार करने के लिए तीन कंपनियों ने अपने-अपने प्रस्ताव दिए हैं। 30 जनवरी को तीन कंपनियों ने टेंडर डाले थे। इन कंपनियों में मेसर्स आइडिया इंप्रेशन मार्केट रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स टिला कंसलटेंट्स और मेसर्स रेडन जियोमेट्रिक्स प्राइवेट लिमिटेड हैं। ग्रेटर कानपुर योजना विकसित करने के लिए सर्वे हो चुका है। योजना का लेआउट तैयार करने के लिए तीन कंसलटेंट कंपनियों ने टेंडर डाले हैं।

पूर्वजों के मंदिर पहुंचे अवनीश अवस्थी, परिवार के साथ किया रुद्राभिषेक, बोले- हर साल निभाते हैं परंपरा

कानपुर। मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार अवनीश अवस्थी ने महाशिवरात्रि पर अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित सैकड़ों वर्ष पुराने शिव मंदिर में सपरिवार पूजन किया। उन्होंने इसे अपनी पारिवारिक परंपरा और गहरी आस्था का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार अवनीश अवस्थी ने रविवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित प्राचीन शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। सैकड़ों वर्ष पुराने इस अद्वितीय शिवालय में बाबा के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। बता दें कि

इस प्राचीन मंदिर का निर्माण अवनीश अवस्थी के पूर्वजों द्वारा कराया गया था, जिससे उनका गहरा भावनात्मक और आध्यात्मिक लगाव है। मुख्यमंत्री के सलाहकार ने सपरिवार मंदिर पहुंचकर शिवलिंग पर गंगाजल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर अभिषेक किया। पूर्वजों की विरासत और जड़ों से जुड़ने का एक माध्यम उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस दौरान अवनीश अवस्थी ने बताया कि वे हर वर्ष महाशिवरात्रि पर अपने परिवार के साथ यहां अवश्य आते हैं। यह उनके लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों की विरासत और जड़ों से जुड़ने का एक माध्यम है।

नए उपभोक्ताओं के घरों में लगेंगे स्मार्ट मीटर

हैरैया। शनिवार को बिजली उपकेंद्र पर स्मार्ट मीटर लगाने वाली एजेंसी के अधिकारियों ने निगम के अधिकारियों के साथ स्मार्ट मीटर लगाए जाने के लिए जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। पहले चरण में बिजली कर्मियों व नए उपभोक्ताओं के घरों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में स्मार्टमीटर लगाने का निर्णय लिया गया। उपकेंद्र पर जागरूकता अभियान का शुभारंभ करते हुए स्मार्ट मीटर लगाने वाली एजेंसी के जोनल मैनेजर वीएस पांडेय के साथ अधिशासी अभियंता अजय मौर्या ने इससे जुड़े लाभ कर्मियों को बताए।

संक्षिप्त खबरें

लाइसेंस शुल्क के नोटिस पर भड़के स्वर्ण कारोबारी

बस्ती। सराफा एवं स्वर्ण व्यवसायी संघ बस्ती और नगर पालिका बस्ती अधिकारियों की बैठक शनिवार को नपा कार्यालय में हुई। सराफा व्यापारियों के ऊपर 3,62,000 से लेकर 92 हजार तक लगाएं गये लाइसेंस शुल्क के नोटिस को लेकर कारोबारियों ने विरोध जताया। ईओ अंगद गुप्ता और नपाध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा के समक्ष अपनी बात रखते हुए निराकरण की मांग की। जिलाध्यक्ष कुंदन लाल वर्मा ने कहा कि इतने सारे टैक्स व्यापारी पहले से ही दे रहा है, दुकानों का कामर्शियल हाउस टैक्स दे रहा है, इस पर नए लाइसेंस शुल्क लगाया जाना उचित नहीं है। सराफा व्यापारियों को भेजा गया नोटिस वापस लिया जाए। नगर अध्यक्ष हरि ओम प्रकाश ने कहा कि लाइसेंस शुल्क छोटे से छोटे व्यापारियों पर लगा दिया है, जिसका फिर से सर्वे करा कर छोटे व्यापारियों को लाइसेंस शुल्क की परिधि से बाहर किया जाए। संरक्षक मणिलाल वर्मा, मनोज सर्राफ, उपाध्यक्ष विश्वनाथ वर्मा, टुनटुन सोनी, गौरव भारत गुप्ता, कृष्ण कांत सोनी, अमित सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

84 सड़कों पर खर्च होंगे 13.26 करोड़, टेंडर जारी

बस्ती। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय निर्माण खंड की तरफ से जिले की 84 सड़कों (63 किमी) की मरम्मत और नवीनीकरण पर 13.26 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दो माह पहले इन सड़कों के प्रस्ताव शासन को भेजे गए थे। 15 दिन पहले इनकी स्वीकृति मिली थी, अब टेंडर की प्रक्रिया शुरू करा दी गई है। सभी सड़कों के लिए निविदा निकाल दी गई है। 100 करोड़ से होगी खस्ताहाल 926 सड़कों की मरम्मत जिले में सड़कों का जाल बिछ जाने से आवागम काफी सुगम होगा। राहगीर आसानी से गंतव्य तक सफर कर सकेंगे। एक्सईएन इं. संजीव कुमार ने बताया कि हरैर्या विधानसभा क्षेत्र के 84 छोटे मार्गों के नवीनीकरण और मरम्मत संबंधी कार्य की स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू करा दी गई है। 25 फरवरी तक टेंडर फाइनल होने के बाद नामित फर्म के लिए वर्कआर्डर जारी किया जाएगा, इसमें 84 सड़कें शामिल हैं। विक्रमजोत जरवापुर मार्ग के किमी. तीन बलराम प्रजापति के घर से तालागांव छोटका पुरवा संपर्क मार्ग, कलानी मार्ग, विक्रमजोत नहरपट्टी मार्ग, पुरेनाथ पैकोलिया मार्ग, कोहल पिचमार्ग, खतमसराय मार्ग, कालीनदी मार्ग, विक्रमजोत हुसैनिया, हरेवा शुक्ल समेत 84 मार्ग पर कार्य होगा।

महाशिवरात्रि पर 24 घंटे खुली रहेगी इमरजेंसी

बस्ती। सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने महाशिवरात्रि, होली व आगामी त्योहारों को देखते हुए जनपद और ब्लॉक स्तरीय अस्पतालों में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं आम लोगों को उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने पत्र में कहा है कि चिकित्सा, स्वास्थ्य तथा उपचार सेवाएं उपलब्ध रहनी चाहिए। एंबुलेंस सेवा पूरी तरह क्रियाशील रखी जाए तथा संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में एंबुलेंस की तैनाती सुनिश्चित की जाए। सभी चिकित्सा इकाइयों पर आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं, प्राथमिक उपचार सामग्री, आईवी फलुइड, एंटी एलर्जिक दर्द निवारक दवाएं, बर्न ट्रीटमेंट से संबंधित दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सकीय उपकरणों को क्रियाशील रखा जाए। त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए कंट्रोल रूम बनाकर नोडल अधिकारी नामित किया जाए।

कार की टक्कर से युवक की मौत

वाल्टरगंज। बस्ती-डुमरियागंज मार्ग पर बेलहरा चौराहे पर शनिवार की सुबह करीब 10 बजे कार की टक्कर से बाइक सवार रोहित सिंह (35) निवासी बेलहरा गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजन घायल को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां इलाज के दौरान दोपहर करीब दो बजे उसने दम तोड़ दिया।मौत की खबर लगते ही पत्नी साक्षी सिंह, बेटा अक्षत सिंह, माता रामा सिंह, भाई सूरज सिंह सहित परिवार के सभी लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर गांव के तमाम लोग उसके घर पहुंच गए। परिजनों को ढांढस बंधाया। ग्रामीणों ने बताया कि रोहित बाइक लेकर अपने घर से मुख्य सड़क के बगल में स्थित सरकारी राशन लेने कोटेदार के घर अंगूठा लगाने जा रहा था। इस संबंध में थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम पहुंचकर घायल को अस्पताल भेजवाया तथा कार को कब्जे में ले लिया। शव मोर्चरी में रखवाया गया है।

20 फरवरी से चलेंगी होली स्पेशल ट्रेनें

बस्ती। होली त्योहार के चलते ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कई होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन कराने की रूपरेखा तैयार की गई है। स्पेशल ट्रेनों का संचालन 20 फरवरी से किया जा रहा है। होली पर दस और विशेष ट्रेनों की समय सारिणी जारी, अयोध्या-काशी जाने वालों के लिए मिलेगी राहत पूर्वोत्तर रेलवे रेलवे प्रशासन की ओर से ट्रेन संख्या 04022 होली स्पेशल ट्रेन 20 फरवरी से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से चलेगी, जो गाजियाबाद, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा के रास्ते बस्ती रेलवे स्टेशन पर 3:02 बजे पहुंचेगी और शाम पांच बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापस में ट्रेन संख्या 04021 जो गोरखपुर जंक्शन से 21 फरवरी को सुबह 7 बजे आगे के लिए प्रस्थान कर बस्ती रेलवे स्टेशन पर 8:05 बजे, गोंडा 9:45 बजे, लखनऊ 1:25 बजे पहुंचेगी ।

टॉस के दौरान आगा से हाथ नहीं मिलाएंगे सूर्यकुमार

कोलंबो। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के दौरान यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं। पिछले साल से भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ नो हैंडशेक नीति अपनाई हुई है। भारत और पाकिस्तान की टीमें टी20 विश्व कप के मुकाबले के लिए तैयार हैं। तमाम ड्रामे के बाद आखिरकार दोनों टीमों के बीच मैच होने जा रहा है। यह मुकाबला रविवार को कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेला जाएगा। पिछले साल एशिया कप से भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ नो हैंडशेक नीति अपनाई हुई है और यह देखना दिलचस्प होगा कि आज के मैच में भारतीय खिलाड़ी इस नीति को बरकरार रखते या नहीं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय टीम इस मैच में भी नो हैंडशेक नीति पर अमल करेगी और पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाएगी। यहां तक कि टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाएंगे। मालूम हो कि पिछले साल एशिया कप के दौरान तीनों ही मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाए थे। क्यों पाकिस्तान से हाथ नहीं मिला रहे भारतीय खिलाड़ी पिछले साल एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन मुकाबले हुए थे

आनुष्ठानिक व्यस्तता में भी मुख्यमंत्री ने जारी रखा जनसेवा अनुष्ठान

जनता दर्शन में सैकड़ों लोगों से मिले सुनी समस्याये

लखनऊ (संवाददाता)। गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की और समस्याएं सुनकर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। देवाधिदेव महादेव की आराधना के विशेष पर्व महाशिवरात्रि पर आनुष्ठानिक व्यस्तता में भी उन्होंने जनसेवा का अनुष्ठान जारी रखा। जनता दर्शन में आए लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा, चिंता मत करें, हर समस्या का समाधान होगा, सबकी भरपूर मदद की जाएगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण कराएं। आज रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। बोले, किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्र अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों से कहा कि जो लोग पात्र हैं और किसी कारण से उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाया है, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। दृढ़ संकल्पों वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक सुपरिचित पहचान गोसेवक की भी है। जब भी वह गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं गोशाला में जाकर गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। रविवार सुबह भी मंदिर की गोशाला में जाकर उन्होंने गोसेवा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गायों और गोवंश को अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। सीएम योगी यहां कई गोवंश को उनके लिए रखे नामों से बुलाते हैं। रविवार सुबह उन्होंने एक गोवंश को जब यह कहकर पुकारा, ओ भोलू तो श्याम रंग का यह बछड़ा भाव विह्वल होकर सीएम योगी की तरफ दौड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने भोलू को खूब दुलारा और उसे अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया। मंदिर की गोशाला में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचते हैं तो प्रायः एक मोर भी उनके इर्द-गिर्द आ जाता है। मुख्यमंत्री ने मोर को भी दुलारा और अपने हाथों से रोटी के टुकड़े करके उसे खिलाया। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने बच्चों को अपने पास बुला लिया, उन पर खूब प्यार लुटाया। उन्होंने बच्चों से उनका नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा।

नसीमुद्दीन साइकिल पर सवार, अखिलेश की मौजूदगी में थामा सपा का दामन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की प्रेस वार्ता के दौरान कई दलों के प्रमुख नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। अपना दल एस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रहे राजकुमार पाल, कांग्रेस छोड़कर आए नसीमुद्दीन सिद्दीकी, बसपा पृष्ठभूमि के अनीस अहमद उर्फ फूल बाबू, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉक्टर दानिश खान, पूर्व विधायक दीनानाथ कुशवाहा ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। इस सामूहिक ज्वाइनिंग से उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है। इसके साथ ही आगामी चुनावी समीकरणों को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पूर्व कैबिनेट मंत्री व कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले नसीमुद्दीन सिद्दीकी विभिन्न दलों के नेताओं से वार्ता के बाद सपा में शामिल हो गए हैं। वह आज यानि रविवार को सपा में शामिल हो गए हैं। कुछ दिन पहले एक चौनल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ खड़े होने की बात कही थी।

संक्षिप्त खबरें

होटल कर्मी की संदिग्ध हालात में मौत, भाई बोला हत्या की गई

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज कस्बे के एक होटल में बीती रात एक कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान अन्तरास होटल में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत 40 वर्षीय हरिश्चंद्र यादव के तौर पर हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को सीएचसी मोहनलालगंज से पुलिस को इस घटना की सूचना मिली। मृतक हरिश्चंद्र पुत्र स्वर्गीय राम खेलावन यादव, ग्राम फतेखेड़ा, थाना मोहनलालगंज, जनपद लखनऊ का निवासी था। वह लखनऊ-रायबरेली रोड स्थित अन्तरास होटल में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत था। राहुल यादव निवासी फत्तेखेड़ा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका चचेरे भाई हरिशचंद्र यादव बीते एक वर्ष से अन्तरास होटल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। शनिवार शाम करीब सात बजे घर से होटल में ड्यूटी आया था। रात करीब दस बजकर 43 मिनट पर होटल के कर्मचारी ने चचेरे भाई के साले को फोन कर बताया कि उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई है आप लोग होटल आ जाइए। इसके बाद साले ने अपनी बहन किरण को फोन कर जीजा की तबीयत खराब होने की जानकारी दी। इसके बाद वह होटल पहुंचे तो देखा कि भाई हरिश्चंद्र मरणासन्न हालत में पड़े थे। जिसके बाद परिजनों संग उसको सीएचसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। होटल प्रबंधन और कर्मचारी समय रहते अगर अस्पताल पहुंचाया होता, शायद उनके भाई की जान बच जाती। इलाज के अभाव में उसके भाई ने होटल में तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया। राहुल का आरोप है कि होटल प्रबंधन और कर्मचारियों की लापरवाही से भाई की मौत हो गयी है। उसे आशंका है कि कहीं उसके भाई की हत्या तो नहीं की गयी। इसकी गहनता से जांच की जानी चाहिए। मृतक के परिवार में पत्नी किरण और दो बच्चे 10 साल का प्रांजल और छह साल की जूही है। इंस्पेक्टर मोहन लाल गंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों ने तहरीर दी है। सीसीटीवी फुटेज मांगी गई है। जांच करके आगे की विधिक कार्रवाई की जायेगी।

यूजीसी कानून वापस ले सरकार: कुवर हरिवंश सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। यूजीसी कानून को रदद कर सवर्ण समाज के योग्य युवाओं को समाज की मुख्य धारा से जोडने और क्षत्रिय महासभा की एकजुटता को लेकर रविवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुवर हरिवंश सिंह की अध्यक्षता में मंथन बैठक का आयोजन यूपी प्रेसक्लब में किया गया। जिसमें सभी सवर्ण समाज के योद्धाओं ने यूजीसी कानून को एकमत से रदद करने का आवाहन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने देश भर में सवर्ण समाज को सनातन योद्धा संग केसरिया यात्रा निकालने का आवाहन किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा देश भर से यूजीसी कानून वापस लिया जाये नहीं तो सवर्ण समाज आन्दोलन करेगा। यूजीसी मंथन बैठक में संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक कृपा शंकर सिंह पूर्व गृह मंत्री महाराष्ट्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व सांसद जितेंद्र सिंह एवं कानून सलाहकार सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता डॉ एपी सिंह व राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं उत्तर प्रदेश के सभी प्रदेश अध्यक्ष युवा वीरांगना अध्यक्ष उपस्थित रहे। राघवेन्द्र सिंह राजू ने कहा श्पराक्रमा नहीं पराक्रम्य से यहां हासिल करो सम्मान से। अपना हक और अधिकार चाहिए सवर्ण समाज को देश की आजादी को ७० साल बीत गये है, अब जातिगत आरक्षण समाप्त करना चाहिए।

साथी पोर्टल के द्वितीय फेज के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। भारत सरकार द्वारा विकसित किए गए श्साथी पोर्टलश के द्वितीय फेज को उत्तर प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में दो दिवसीय विस्तृत प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। 13 और 14 फरवरी को कृषि निदेशालय में कार्यक्रम में भारत सरकार के वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञों और एन.आई.सी. के वरिष्ठ निदेशकों द्वारा पोर्टल के तकनीकी पहलुओं और इसके संचालन की बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में बीज व्यवसाय को पारदर्शी बनाना और डिजिटल माध्यम से किसानों तक उच्च गुणवत्ता वाले बीज की पहुंच सुनिश्चित करना है।प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार के वरिष्ठ तकनीकी सहायक सीड डॉ. सोनू कुमार चौधरी, वरिष्ठ निदेशक आईटी एनआईसी अर्चना एवं अविनाश विजयकुमार पेडगाँवकर, और संयुक्त निदेशक निलाद्रि बिहारी मोहंती ने अपनी टीम के साथ प्रतिभागियों को पोर्टल की कार्यप्रणाली समझाई। इस अवसर पर महाराष्ट्र कृषि विभाग की उप कृषि निदेशक डॉ. प्रीति सवाईराम ने महाराष्ट्र में साथी पोर्टल की सफलता की कहानी साझा की और इसके विभिन्न चरणों व लाभों से अवगत कराया। कार्यक्रम में अपर कृषि निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र उप कृषि निदेशक प्रक्षेत्र सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।प्रशिक्षण के प्रथम दिन बीज उत्पादक संस्थाओं, कृषक उत्पादक संगठनों एफपीओ और निजी बीज कंपनियों व फर्मों को प्रशिक्षित किया गया, जबकि दूसरे दिन जनपद स्तर के विभागीय अधिकारियों और थोक व फुटकर बीज विक्रेताओं को तकनीकी जानकारी दी गई।

उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूजियम 80 फीसदी तैयार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूजियम अब लगभग तैयार है। नई तकनीक से सुसज्जित संग्रहालय अतीत की गौरवगाथा को नए और आकर्षक अंदाज में पेश करेगा, जहां इतिहास केवल पढ़ा नहीं जाएगाबल्कि महसूस किया जाएगा। ब्रज क्षेत्र की यह महत्वाकांक्षी परियोजना न सिर्फ पर्यटन को नई राष्ट्रीय पहचान देगी बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम बनेगी। फिरोजाबाद के सिरसागंज में 24.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा उत्तर प्रदेश का पहला आर्य गुरुकुल म्यूजियम तेजी से तैयार हो रहा है, जिसका 80 फीसदी से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। इसको लेकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान जल्द से जल्द कार्य संपन्न करने के निर्देश दिए। जयवीर सिंह ने बताया कि म्यूजियम में इतिहास को इमर्सिव लर्निंग, विजुअल स्टोरीटेलिंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के जरिए दिखाया जाएगा ताकि हर उम्र का व्यक्ति इसे आसानी से समझ सके। यहां स्थापना और शुरूआती दौर, संस्थापक और स्थानीय नेताओं का योगदान, आजादी की लड़ाई में भूमिका, सिद्धांत और विचारधारा, योग की अहमियत और आज के समय में इसकी जरूरत जैसे जोन बनाए गए हैं।म्यूजियम में ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, एम्फीथिएटर, हेलीपैड, फायर फाइटिंग सिस्टम और कई ब्लॉकों का ढांचा तैयार हो गया है और अधिकतर जगहों पर फिनिशिंग का काम चल रहा है। बाहरी इलेक्ट्रिफिकेशन, ट्यूबवेल, अंडरग्राउंड सम्प और कुछ अन्य कार्य प्रगति पर हैं, जबकि सीसी रोड, हॉर्टिकल्चर, तालाब विकास, फ्लोटिंग मल्टीमीडिया और सीसीटीवी जैसे कुछ काम बाकी हैं।

श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में शिवरात्रि पर विशेष आयोजन सम्पन्न

लखनऊ (संवाददाता)। रविवार को चौक कोतवाली स्थिति श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में प्रातः काल से ही भक्तों द्वारा जलाभिषेक शुरू हो गया जो दोपहर बाद तक हरि ओम हर जल चढ़ता रहा। मंदिर के महंत विशाल गौड़ ने बताया कि महाशिवरात्रि पर ध्यान सौ गुना अधिक प्रभावी होता है और महाशिवरात्रि पर आंतरिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। महंत ने बताया कि महाशिवरात्रि का पौराणिक और धार्मिक महत्व है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ इसी दिन से हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग के उदय से हुआ था। महाशिवरात्रि के समय हम अपनी चेतना में विश्राम करते हैं। यह समय है अपनी अंतरात्मा और चेतना के साथ उत्सव मानाने का, महाशिवरात्रि के दिन साधना के माध्यम से हम दिव्य चेतना की शरण में चले जाते हैं।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पूजा अर्चना कर किया नवसंवर्धित कक्ष में प्रवेश

लखनऊ (संवाददाता)। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में अध्यक्ष कक्ष में विधिवत पूजा-अर्चना कर नवसंवर्धित कक्ष में प्रवेश किया।उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा से यह कार्यस्थल संगठन की सुदृढ़ नीतियों, जनसेवा के संकल्प और सुशासन की प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त करने का केंद्र बनेगा।

एमएसएमई को आत्मनिर्भर बनाने वाला बजट, पैदा करेगा रोजगार

96 लाख इकाइयों को मजबूती, तीन करोड़ परिवारों की आजीविका को मिलेगा स्थायित्व

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश की अर्थव्यवस्था की धुरी माने जाने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एमएसएमई क्षेत्र को बजट 2026-27 में जिस प्राथमिकता के साथ रखा गया है, वह आने वाले वर्षों की औद्योगिक तस्वीर को बदलने का संकेत देता है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जो करीब तीन करोड़ परिवारों की आजीविका का आधार हैं। बजट में 3,822 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बीते साल की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि केवल बजटीय विस्तार ही नहीं बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।प्रदेश सरकार एमएसएमई को अनुदान आधारित व्यवस्था से आगे बढ़ाकर प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर प्रतिवर्ष एक लाख नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पांच वर्षों में पांच लाख से अधिक नई इकाइयां खड़ी हो सकती हैं जिनसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगार सृजित होने का अनुमान है। बैंक ऋण और सरकारी प्रोत्साहन के संयोजन से निवेश का मल्टीप्लायर इफेक्ट्स गुणक कई गुना बढ़ सकता है।एमएसएमई क्षेत्र की सबसे बड़ी बाधा ऋण हासिल करना है। छोटे उद्यमियों के पास पर्याप्त जमानत कोलैटरल न होने से वे औपचारिक बैंकिंग तंत्र से दूर रह जाते हैं। बजट में ऋण गारंटी तंत्र को सुदृढ़ करने और बैंकों के साथ समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इससे बड़ी जमानत के बिना ऋण लेने की राह आसान होगी। इसका सीधा असर यह होगा कि बड़ी संख्या में इकाइयां असंगठित क्षेत्र से निकलकर औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनेंगी जिससे कर संग्रह, पारदर्शिता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को भी बजट में बल मिला है। सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। समूह आधारित औद्योगिक क्षेत्रों में साझा मशीनरी, परीक्षण प्रयोगशालाएं और सामान्य सुविधाएं उपलब्ध होने से उत्पादन लागत घटेगी और गुणवत्ता में सुधार होगा। इससे छोटे उद्यम बड़े बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनेंगे। ओडीओसी के लिए 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था स्थानीय व्यंजनों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की रणनीति को मजबूती देती है।मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए 225 करोड़ रुपये का प्रावधान युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यदि प्रत्येक नया उद्यम औसतन पांच से 10 लोगों को रोजगार देता है तो केवल इस योजना से ही हजारों युवाओं के लिए अवसर बन सकते हैं। यह ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि को नई गति देगा।प्रत्यक्ष प्रावधानों के अलावा बजट में आधारभूत संरचना पर निरंतर निवेश भी एमएसएमई के लिए अप्रत्यक्ष समर्थन है।

काली स्कॉर्पियो से सिपाही को उठा ले गई राजस्थान पुलिस,

2002 के केस में घोषित था 25 हजार का इनाम

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सिपाही के अपहरण की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि सिपाही राजस्थान के 2002 के एक मामले में वांछित था। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। राजस्थान पुलिस उसे उठाकर ले गई है, तो अफसरों ने राहत की सांस ली। घटना रविवार सुबह 9 बजे गोमती नगर इलाके के ग्वारी गांव में हुई। सिपाही की पहचान ग्वारी निवासी अखिलेश त्रिपाठी के रूप में हुई। लखनऊ में स्मारक समिति की सुरक्षा व्यवस्था के लिए मायावती सरकार में एक विशेष सुरक्षा वाहिनी का गठन हुआ था। सिपाही अखिलेश त्रिपाठी इसी वाहिनी में तैनाती है। इन दिनों उसकी अंबेडकर पार्क में ड्यूटी रहती थी। रविवार सुबह वह अपने 2 बेटों के साथ टहलने निकला था। प्रत्यक्षदर्शी बेटों के अनुसार, अचानक एक काली स्कॉर्पियो उनके पास आकर रुकी। कार से उतरे लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया। पिता अखिलेश त्रिपाठी को जबरन गाड़ी में बैठा लिया। पूरी घटना इतनी जल्दी हुई कि आसपास के लोग समझ ही नहीं पाए कि मामला क्या है? घबराकर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोमती नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। शुरूआती तौर पर मामला अपहरण का लगा, जिससे परिवार और क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि कुछ देर बाद जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश त्रिपाठी वर्ष 2002 के एक पुराने मुकदमे में वांछित था। उस मामले में उनके खिलाफ 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। जांच में सामने आया कि 2002 के पुराने मामले में ही राजस्थान पुलिस की टीम उन्हें उठाकर ले गई है। बताया जा रहा है कि लंबे समय से फरार चल रहे अखिलेश त्रिपाठी की तलाश में राजस्थान पुलिस लगी हुई थी। लोकेशन ट्रेस होने पर टीम ने लखनऊ आकर दबिश दी।

एटीएम बदलकर ठगी करने वाले 2 गिरफ्तार, 181 एटीएम कार्ड बरामद

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ की मड़ियांव पुलिस ने एटीएम बदलकर रुपए निकालने वाले गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में घूमकर घटना को अंजाम देते थे। आरोपियों के पास से 181 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। अब तक 30 लाख से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। एडीसीपी नार्थ रिषभ रुढ़वाल ने बताया- पुलिस ने लंबे समय से एटीएम कार्ड बदलकर रुपए निकालने की शिकायत मिल रही थी। मामले के खुलासे के लिए टीम लगाई गई। शनिवार रात पुलिस को सूचना मिली जीएसआई ई-पॉवर हाउस चौराहा के पास स्थित एसबीआई एटीएम के पास दो संदिग्ध बिना नंबर प्लेट की बाइक से खड़े हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान मधई का पुरवा सदर कोतवारी प्रतापगढ़ के रहने वाले शहबान (28) और लीलीपुर प्रतापगढ़ निवासी दिलशाद (26) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से अलग-अलग बैंक के 181 एटीएम कार्ड, चार फर्जी आधार कार्ड, एक मोबाइल, ठगी के रुपए से खरीदी गई बाइक मिली है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया- 100 लोगों से ज्यादा लोगों से अब तक 30 लाख से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश समेत दिल्ली, महाराष्ट्र व अन्य राज्यों में घटना कर चुके हैं। अब तक 100 से ज्यादा लोगों के खाते से रुपए निकाल चुके हैं। आरोपी महिलाओं और बुजुर्गों को टारगेट करते थे। एटीएम बूथ के पास खड़े होकर मदद के बहाने एटीएम बदलकर रुपए निकाल लेते। दोनों ने लखनऊ और आस-पास 20 अलग-अलग थानाक्षेत्रों में वारदात की है। पकड़ा गया आरोपी दिलशाद बीटेक पास है। डिग्री लेने के बाद नोएडा में प्राइवेट कंपनी में आईटी सेक्टर में नौकरी करता था। नौकरी छोड़कर अपने स्कूल के दोस्त शहबान के साथ टप्पेबाजी करने लगा। आरोपियों ने ठगी के पैसे महंगे शौक में उड़ा दिए। इसके बाद अलावा पत्नी के लिए ज्वैलरी बनवा दी।

अयोध्या का रेलवे स्टेशन भाजपा के भ्रष्ट मॉडल का उदाहरण: अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। कन्नौज में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कन्नौज रेलवे स्टेशन को गोरखपुर रेलवे स्टेशन की तर्ज पर विकसित करने की सरकार की योजना को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से तंज कसते हुए कहा कि अयोध्या में जो रेलवे स्टेशन बनाया गया, वह भाजपा केह्यभ्रष्ट मॉडलश्का उदाहरण है। रविवार को अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को चाहिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि बनते ही गिर जाने वाली पानी की टंकी थोड़ी दूर बनाई जाए, छत ऐसी हो कि नीचे खड़े लोगों को छतरी न लगानी पड़े और एप्रोच रोड की परत न उखड़े। उन्होंने यह भी कहा कि लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जाएं तो वे सही तरीके से काम भी करें। सपा अध्यक्ष ने कमीशनखोरी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता होनी चाहिए और यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया वास्तव में सुविधाजनक बनाया जाए, क्योंकि कई बार ट्रेनों में लंबी देरी होती है। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था और शौचालयों की स्थिति सुधारने की भी मांग की। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि ठेकेदार स्थानीय होना चाहिए, ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गौरतलब है कि अयोध्या रेलवे स्टेशन परिसर में एक दीवार गिरने की घटना सामने आई थी, जिसके बाद निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे।

राम मंदिर का वैभव पहुंचा सात समंदर पार

20 को मॉस्को में होगी रामलीला

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राममंदिर से जुड़े विकास कार्यों और दीपोत्सव समेत किए जा रहे अभूतपूर्व आयोजनों की ख्याति अब सात समंदर पार तक पहुंच रही है। योगी सरकार के सांस्कृतिक विजन और अयोध्या में हुए आध्यात्मिक नवजागरण से प्रेरित होकर रूस की राजधानी मॉस्को में 20 फरवरी को भव्य रामलीला का आयोजन होगा। यह रामलीला अयोध्या में विगत दिनों हुए दीपोत्सव से प्रेरणा लेकर दिव्य और भव्य रूप में आयोजित की जा रही है। इसे भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।रूस में भारत के दूतावास और जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से होने वाली रामलीला में रूस के कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। राम की भूमिका में एवगेनी, सीता के रूप में दारिया, लक्ष्मण के रूप में मुरात और हनुमान के रूप में दिमित्री मंच पर भारतीय आस्था की सजीव प्रस्तुति देंगे।रूसी-भारतीय मैत्री संस्था दिशा इस आयोजन की मुख्य संचालक है। डॉ. रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में यह संस्था वर्षों से नाट्य प्रस्तुतियों, सांस्कृतिक उत्सवों और शैक्षिक पहल के जरिए भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक सेतु का निर्माण कर रही है। रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सत्य, मर्यादा और आदर्श जीवन का सार्वभौमिक संदेश है। यही वजह है कि रूसी दर्शकों में भी इसके प्रति विशेष उत्सुकता देखी जा रही है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से अयोध्या का दीपोत्सव वैश्विक पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लाखों दीपों से जगमगाती अयोध्या की तस्वीरों ने दुनिया भर के सांस्कृतिक संगठनों और कलाकारों को प्रभावित किया है।योगी सरकार ने रूस के कलाकारों की टीम को अयोध्या दीपोत्सव में मंच प्रदान किया। टीम रामलीला प्रस्तुत कर पहले ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है। अयोध्या की आध्यात्मिक आभा और आयोजन की भव्यता देखकर रूस से यहां आए आयोजक और कलाकार इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मॉस्को में भी उसी भाव को साकार करने का निर्णय लिया।भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों में रामलीला की परंपरा का इतिहास भी उल्लेखनीय रहा है।

संपादकीय

विविधता की खेती का जवाब नहीं

इन दिनों खेतों में रबी की फसलें लहलहा रही हैं। हरे-भरे खेत हैं। मुझे याद आ रही है, सतपुड़ा अंचल की, जहां एक जमाने में चने की खेती बहुतायत में होती थी। चना, बिना सिंचाई या बहुत कम पानी की फसल है, जिसे किसान उगाते थे। आज जब खेती का अभूतपूर्व संकट है, तब ऐसी देसी खेती को याद जरूरी है, जिसमें कम पानी, कम लागत और मिट्टी की उर्वरता बनी रहे। इसी प्रकार, सतपुड़ा अंचल में मिश्रित खेती की एक पद्धति है उतेरा, जिसमें कई फसलें एक साथ बोते हैं। आज इस कॉलम में इस पर बात करना चाहूंगा, जिससे खेती को समग्रता में समझा जा सके। नर्मदापुरम जिला (पूर्व में होशंगाबाद जिला) भौगोलिक रूप से दो भागों में बंटा है। एक है सतपुड़ा की जंगल पट्टी। दूसरा है नर्मदा का कछार। नर्मदा कछार मैदानी इलाका है, जहां अच्छी उपजाऊ मिट्टी है। जंगल पट्टी में प्रायरू सूखी और असिंचित खेती होती है। जबकि नर्मदा के कछार में तवा की नहरें हैं। कछार की जमीन काफी उपजाऊ मानी जाती है। यही काली मिट्टी की जमीन में चना अच्छा होता है। बिना सिंचाई के चना की खेती होती है। दीपावली के समय बारिश की नमी में ही चना को बोया जाता है, और होली के पूर्व ही चना कटाई हो जाती है। मुझे याद है, मैं अपने परिवारजनों के साथ खेत में चना का होउरा (भुना चना) खाने के लिए जाया करता था। कई बार मेहमानों व अतिथियों को भी चना का होउरा खिलाने खेत भी ले जाते थे। यह अतिथियों का आत्मीय स्वागत करने का भी एक तरीका होता था। होउरा को भूनकर रख लिया जाता था, और जब भी जरूरत होती थी, उसे खाते थे। यह एक तरह का ड्राई फूड होता था। हमारे यहां गेहूं और चना दोनों को मिलाकर आटा पिसाने का चलन है। इसे बिर्रा कहते थे। इसकी रोटी बहुत ही पसंद की जाती हैं। यह रोटी बिना सब्जी की भी बहुत अच्छी लगती है। बुजुर्ग लोगों को बिर्रा की रोटी आज भी याद है। चने का सत्तू तो बहुत प्रचलन में था। सत्तू में गुड़ मिलाकर खाते थे। इसे यात्राओं में या गर्मी के दिनों में बड़े चाव से खाया जाता था। यह भी ड्राई फूड का एक प्रकार है। देशी बीजों के जानकार व पदमश्री से सम्मानित बाबूलाल दाहिया बताते हैं कि चने की भाजी बहुत अच्छी स्वादिष्ट होती है। इसकी सब्जी बनाई जाती है, और इसकी कोपलों को ऐसे ही अचार के साथ भी खाया जाता है। जब चने में भरे दाने हो जाते हैं, तो होउरा (भुना हरा चना) भी भूनकर खाते हैं। इस तरह ज्वार की रोटी और कोदो के चावल के साथ 3 माह तक चने की भाजी खाई जाती थी। चना के दाने भरे होने पर भी इसकी सब्जी बनाई जाती है। चना की दाल और बेसन से तो कई व्यंजन बनाए जाते हैं। सतपुड़ा की जंगल पट्टी में परंपरागत खेती की पद्धति प्रचलित है जिसे उतेरा कहा जाता है। यह छत्तीसगढ़ की उतेरा पद्धति से भिन्न है। यह मिश्रित पद्धति की खेती है। इसमें 6-7 प्रकार के अनाजों को मिलाकर बोया जाता है। इस अनूठी पद्धति में ज्वार, धान, तिल्ली, तुअर, समा, कोदो मिलाकर बोते हैं। एक साथ सभी बीजों को मिलाकर खेत में बोया जाता है और बक्खर चलाकर पेंटा लगा देते हैं। फसलें जून में बोई जाती हैं लेकिन अलग-अलग समय में काटी जाती हैं। पहले उड़द, फिर धान, ज्वार और अंत में तुअर कटती है। कुटकी जल्द पक जाती है। इसमें किसी प्रकार की लागत नहीं है। खुद की मेहनत, बैलों का श्रम और बारिश की मदद से हमारी फसल पक जाती है। हर साल हम अगली फसल के लिए बीज बचाकर रखते हैं और उन्हें खेतों में बो देते हैं। हमारे पास बैल हैं जिनसे हम खेतों की जुताई करते हैं। मवेशियों से हमें गोबर खाद मिलती है जिससे हमारे खेतों की मिट्टी उपजाऊ बनती है। उतेरा से पूरा भोजन मिल जाता है। दाल, चावल, रोटी और तेल सब कुछ। इसमें दलहन, तिलहन और मोटे अनाज सब शामिल हैं। इन सबसे साल भर की भोजन की जरूरतें पूरी हो जाती है। मवेशियों के लिए चारा और मिट्टी को उर्वर बनाने के लिए जैव खाद मिल जाती है। यानी उतेरा से इंसानों के लिए अनाज, मवेशियों के लिए फसलों के ठंडल, भूसा और चारा, मिट्टी के लिए जैव खाद और फसलों के लिए जैविक कीटनाशक प्राप्त होते हैं। इस पद्धति में कई फसलें एक साथ बोने से पोषक तत्वों का चक्र बराबर बना रहता है। अनाज के साथ फलियों वाली फसलें बोने से नाइट्रोजन आधारित बाहरी निवेशों की जरूरत कम पड़ती है। द्विदलीय फसलों की यही विशेषता है। उतेरा पद्धति के बारे में किसानों की सोच यह है कि अगर एक फसल मार खा जाती है तो उसकी पूर्ति दूसरी फसल से हो जाती है। जबकि नकदी फसल में कीट या रोग लगने से या प्राकृतिक आपदा आने से पूरी फसल नष्ट हो जाती है जिससे किसानों को नुकसान होता है। मिश्रित और मिलवां फसलें एक जांचा परखा तरीका है। इसमें फसलें एक दूसरे को फायदा पहुंचाती हैं। यह उतेरा खेती, बिना सिंचाई वाले इलाकों में प्रचलन में थी। अब भी कुछ जगह होती है। उतेरा को सतगजरा भी कहते हैं। सतगजरा की तरह नवदान्या, उत्तराखंड की बारहनाजा जैसी कई पद्धतियां देश भर में प्रचलित हैं। हालांकि इनमें कई कारणों से कमी आ रही है। इसी प्रकार, कुछ साल पहले हर घर में बाड़ी होती है जिसमें उतेरा की ही तरह मिलवां फसलें हुआ करती थीं। बाड़ी में घरों के पीछे कई तरह की हरी सब्जियां और मौसमी फल और मोटे अनाज लगाए जाते थे। जैसे भटा, टमाटर, हरी मिर्च, अदरक, भिंडी, सेमी (बल्लर), मक्का, ज्वार आदि होते थे। मुनगा, नींबू, बेर, अमरूद आदि बच्चों के पोषण के स्रोत होते थे। इसमें न अलग से पानी देने की जरूरत थी और न ही खाद। जो पानी रोजाना इस्तेमाल होता था उससे ही बाड़ी की सब्जियों की सिंचाई हो जाती थी। लेकिन इन सबमें कई कारणों से कमी आ रही है।

ट्रम्प की ढिठाई, बदले में कुछ नहीं !

> कॉमर्स मिनिस्टर ने कई बार कहा कि जल्द ही एक बी.टी.ए. हो जाएगा, असल में, उन्होंने ह्यसाल के आखिरह्न से पहले कहा था। जैसा कि पता चला, ज्वॉइंट स्टेटमैंट कोई बी.टी.ए. नहीं है, यह कोई अंतरिम एग्रीमैंट भी नहीं है, यह एक अंतरिम एग्रीमैंट के लिए एक फ्रेमवर्क है। हमने पहाड़ हिलाया और हमें चूहा मिला। लेन-देन कहां? ज्वॉइंट स्टेटमैंट जारी होने के बाद, दोनों पक्षों ने दावा किया कि डील रेसिप्रोकल थी। यह दावा पढने वाले की समझ का अपमान है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट को सरसरी तौर पर पढने से भी पता चल जाएगा कि यह रेसिप्रोसिटी पर आधारित नहीं है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट के टेक्स्ट को ध्यान से देखें (जिसे मैंने नीचे ज्यादातर कॉपी किया है)-जबकि भारत सभी अमरीकी औद्योगिक सामानों और अमरीका के कई तरह के खाने और खेती के प्रोडक्ट्स पर टैरिफ खत्म कर देगा या कम कर देगा, वहीं यूनाइटेड स्टेट्स भारत के ओरिजिनल सामानों पर 18 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा (2 अप्रैल, 2025 को लगाए गए ।

पी. चिदम्बरम

यह एक पतंग है.., यह एक चिडिया है.., यह एक हवाई जहाज है। ह्यह क्या है?ह्न यह सवाल अमरीका और भारत की सरकारों के 6 फरवरी, 2026 को जारी किए गए ज्वॉइंट स्टेटमैंट के लिए एकदम सही है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट ने अनगिनत अटकलों को हवा दी है, और भारत सरकार के विवरण से बचने के तरीके ने शक के बादल हटाने में मदद नहीं की। चूंकि मिस्टर ट्रम्प पत्ते खोल रहे हैं, इसलिए ज्वॉइंट स्टेटमैंट शायद अमरीका के लिए ड्रूषचता की बात न हो, लेकिन भारत के लिए है। जारी किया गया ज्वॉइंट स्टेटमैंट धोखे पर आधारित था। भारतीय बातचीत करने वालों ने 2025 में बार-बार दावा किया कि वे एक द्विपक्षीय ट्रेड एग्रीमैंट (बी.टी.ए.) पर बातचीत कर रहे हैं। कॉमर्स मिनिस्टर ने कई बार कहा कि जल्द ही एक बी.टी.ए. हो जाएगा, असल में, उन्होंने ह्यसाल के आखिरह्न से पहले कहा था। जैसा कि पता चला, ज्वॉइंट स्टेटमैंट कोई बी.टी.ए. नहीं है, यह कोई अंतरिम एग्रीमैंट भी नहीं है, यह एक अंतरिम एग्रीमैंट के लिए एक फ्रेमवर्क है। हमने पहाड़ हिलाया और हमें चूहा मिला। लेन-देन कहां? ज्वॉइंट स्टेटमैंट जारी होने के बाद, दोनों पक्षों ने दावा किया कि डील रेसिप्रोकल थी। यह दावा पढने वाले की समझ का अपमान है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट को सरसरी तौर पर पढने से भी पता चल जाएगा कि यह रेसिप्रोसिटी पर आधारित नहीं है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट के टेक्स्ट को ध्यान से देखें (जिसे मैंने नीचे ज्यादातर कॉपी किया है)-जबकि भारत सभी अमरीकी औद्योगिक सामानों और अमरीका के कई तरह के खाने और खेती के प्रोडक्ट्स पर टैरिफ खत्म कर देगा या कम कर देगा, वहीं यूनाइटेड स्टेट्स भारत के ओरिजिनल सामानों

पर 18 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा (2 अप्रैल, 2025 को लगाए गए 25 प्रतिशत से कम), जिसमें टैक्सटाइल और कपड़े, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबड़, ऑर्गेनिक कैमिकल्स, होम डेकोर, कारीगर प्रोडक्ट्स और कुछ मशीनरी शामिल हैं। अमरीका जैनरिक फार्मास्यूटिकल्स, जैम्स और डायमंड्स, और एयरक्राफ्ट पार्ट्स समेत कई तरह के सामानों पर रेसिप्रोकल टैरिफ तभी हटाएगा जब ह्यइंटरिम एग्रीमैंट सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगाह्न। 0 प्रतिशत बनाम 18 प्रतिशत में रेसिप्रोसिटी कहां है? भारत अमरीकी मैडीकल डिवाइस के ट्रेड में लंबे समय से चली आ रही रुकावटों को दूर करने और अमरीकी आई.सी.टी. सामानों के लिए मार्कीट एक्सैस में देरी करने वाले रिस्ट्रिक्टिव इंपोर्ट लाइसैंसिंग प्रोसीजर को खत्म करने पर सहमत है... भारत अमरीकी फूड और एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स के ट्रेड में लंबे समय से चली आ रही नॉन-टैरिफ रुकावटों को दूर करने पर भी सहमत है। यूनाइटेड स्टेट्स पर कोई मिलती-जुलती ऑब्लिगेशन नहीं है। नॉन-टैरिफ रुकावटों के मामले में, ऑब्लिगेशन और नो ऑब्लिगेशन के बीच रेसिप्रोसिटी कहां है?भारत अगले 5 सालों में 500 बिलियन डॉलर के अमरीकी एनर्जी प्रोडक्ट्स, एयरक्राफ्ट और एयरक्राफ्ट पार्ट्स, कीमती धातुएं, टैक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स और कोकिंग कोल खरीदने का इरादा रखता है। दोनों सरकारें टैक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स में ट्रेड को काफी बढ़ाएंगी - जिसमें ग्राफिक्स प्रोसैसिंग यूनिट्स (जी.पी.यूज) और डाटा सैंटर्स में इस्तेमाल होने वाले दूसरे सामान शामिल हैं। इस पैराग्राफ में बताए गए सभी प्रोडक्ट अमरीकी एक्सपोर्ट सामान हैं, न कि इंडियन सामान, जिन्हें अमरीका खरीदना चाहता है। रेसिप्रोसिटी कहां है? ज्वॉइंट स्टेटमैंट के साथ एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में, मिस्टर ट्रम्प ने इंडिया द्वारा उठाए गए ह्यमहत्वपूर्ण कदमोंह्न का जिक्र किया - इंडिया का रशियन फैडरेशन से सीधे या इनडायरैक्टली तेल इंपोर्ट करना बंद करने का कमिटमैंट, इंडिया का यह रिप्रैजैंटेशन कि वह यूनाइटेड स्टेट्स के एनर्जी प्रोडक्ट्स खरीदेगा और डिफैंस कोऑपरेशन बढ़ाने के लिए अमरीका के साथ इंडिया का फ्रेमवर्क एग्रीमैंट। इसलिए, मिस्टर ट्रम्प ने 6 अगस्त, 2025 को लगाई गई एडिशनल एड वैलोरम रेट ऑफ ड्यूटी (25 प्रतिशत का पीनल टैरिफ) को खत्म करने का फैसला किया। अमरीका से कुछ भी न लेकर भारत से तीन वादे करवाने में रेसिप्रोसिटी कहां है?अगर भारत सीधे या इनडायरैक्टली रशियन फैडरेशन से तेल इंपोर्ट करना फिर से शुरू करता है, तो अमरीकी सरकार और एक्शन लेने पर विचार करेगी, जिसमें शायद भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत का पैनल्टी टैरिफ फिर से लगाना शामिल है। 6 फरवरी, 2026 को तय पूरा फ्रेमवर्क एक मुद्दे पर टिका है-रूसी तेल। अमरीका की धमकी और भारत के झुकने के बीच क्या तालमेल है? 2 अप्रैल, 2025 से पहले, भारतीय सामान पर अमरीकी टैरिफ एम.एन.एफ. दर 3 प्रतिशत पर था। चूंकि भारत के पास बाइलेटरल ट्रेड सरप्लस था, इसलिए मिस्टर ट्रम्प ने अपनी संदिग्ध एमरजैंसी पावर्स का इस्तेमाल किया और 25 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दिया, जिसे अब घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। कई देशों पर ह्यरेसिप्रोकलह्न टैरिफ की लीगैलिटी अमरीकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के लिए रिजर्व है और इसे असंवैधानिक बताकर रद्द किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ, तो भारत को अमरीकी सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया अदा करना होगा, राष्ट्रपति ट्रम्प का नहीं। नतीजा यह होगा कि दोनों देश पहले जैसी स्थिति में लौट जाएंगे, लेकिन अमरीका भारत से कई रियायतें ले लेगा, लेकिन वह कोई रियायत नहीं देगा। कितना अधिक लेन-देन है! ट्रेड एक्सपर्ट, अजय श्रीवास्तव ने बताया है कि स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ 50 प्रतिशत और ऑटो कम्पोनैंट्स पर 25 प्रतिशत रहेगा, लेकिन अमरीका के औद्योगिक सामान, कई खेती के सामान, लाल ज्वार, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स, ऑटोमोबाइल और हाई-एंड मोटरसाइकिलों पर ह्यभारत बहुत ज्यादा रियायतें दे रहा हैह्न। पहेली यह है कि भारत 5 साल में 500 बिलियन अमरीकी डॉलर में क्या खरीदेगा? इससे अमरीका के साथ भारत का जो थोड़ा ट्रेड सरप्लस है, वह खत्म हो जाएगा। अमरीका के पास कुछ ही सामान हैं जो भारत की इकोनॉमी को मजबूत करने में मदद करेंगे। हमारे पास शायद कोई चारा न बचे, सिवाय इसके कि हम बड़ी मात्रा में महंगे एयरक्राफ्टध्मिलिट्री इक्विपमैंट और ज्यादा लैंडेड कॉस्ट पर अमरीकी तेल खरीदें और हमें यह न पता हो कि उनका क्या करें।

टोरंटो पुलिस के घिनौने कृत्यों ने उजागर किया उसका भ्रष्टाचार

> लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि कनाडा में व्यक्तियों के प्रति पुलिस भ्रष्टाचार बहुत अधिक है लेकिन वे इसे खुलकर सामने नहीं आने देते। वे आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने से इंकार करके, कॉल और संदेशों का जवाब देने से इंकार करके और व्यवस्था में न्याय की मांग करने वाले लोगों की अनदेखी करके अपने भ्रष्टाचार का प्रदर्शन करते हैं।
> इसी वजह से कनाडा में जबरन वसूली और गोलीबारी की घटनाओं से जूझ रहे लोगों के बीच पिछले एक दिन में भ्रष्टाचार और संगठित अपराध से संबंध रखने के आरोप में टोरंटो के 7 पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। कुछ पुलिस अधिकारियों के इस तरह के भ्रष्ट चरित्र के खुलासे से जनता का पुलिस पर भरोसा बुरी तरह से टूटेगा। इन भ्रष्ट अधिकारियों पर संगठित अपराध सरगनाओं को सूचना लीक करने, रिश्वत लेने, दस्तावेज चुराने, मादक पदार्थों की तस्करी में सहायता करने, उन्हें संरक्षण देने, विश्वासघात करने और आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप है। कनाडा में अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भ्रष्टाचार जांच में जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, उनमें 1 या 2 ऐसे अधिकारी भी शामिल हैं जिनका पिछला रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है लेकिन इसके बावजूद वे पुलिस बल में तैनात रहे। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि यह आम बात हो गई है। कनाडा में ऐसा कोई अपराध नहीं है जिसमें भारतीय पंजाबी शामिल न हों, कार चोरी, यातायात नियमों का उल्लंघन, धमकी देकर जबरन वसूली, गोलीबारी, सेंधमारी, आव्रजन धोखाधड़ी और अब एक पंजाबी पहचान वाला अधिकारी, कांस्टेबल। सौरभजीत बेदी और दिलजीत सिंह नामक अन्य व्यक्ति भी इन गतिविधियों में शामिल हैं।

सुरजीत सिंह फ्लोरा

कनाडा अक्सर पंजाबियों और दुनिया भर के कई अन्य लोगों के लिए एक पसंदीदा विकल्प के रूप में देखा जाता है। हर पृष्ठभूमि के लोग वहां बसने का सपना देखते हैं। फिर भी, बहुत कम लोग इस बात को मानते हैं कि कनाडा भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है। इस दृष्टि से, यह काले धन के लिए एक सुरक्षित स्थान साबित हो सकता है। इस देश को अक्सर मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी के लिए सबसे कम विनियमित स्थानों में से एक बताया जाता है। यह चिंता राजनीति में भी झलकती है। कनाडा ने वर्षों से खालिस्तानी हस्तियों को शरण दी है। कनाडाई अधिकारियों का कहना है कि देश खालिस्तान आंदोलन के समर्थकों को शांतिपूर्ण वकालत, विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक भाषण में भाग लेने की अनुमति देता है और ये कार्य कनाडाई मानवाधिकार चार्टर के तहत संरक्षित हैं। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि कनाडा में व्यक्तियों के प्रति पुलिस भ्रष्टाचार बहुत अधिक है लेकिन वे इसे खुलकर सामने नहीं आने देते। वे आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने से इंकार करके, कॉल और संदेशों का जवाब देने से इंकार करके और व्यवस्था में न्याय की मांग करने वाले लोगों की अनदेखी करके अपने भ्रष्टाचार का प्रदर्शन करते हैं।

इसी वजह से कनाडा में जबरन वसूली और गोलीबारी की घटनाओं से जूझ रहे लोगों के बीच पिछले एक दिन में भ्रष्टाचार और संगठित अपराध से संबंध रखने के आरोप में टोरंटो के 7 पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। कुछ पुलिस अधिकारियों के इस तरह के भ्रष्ट चरित्र के खुलासे से जनता का पुलिस पर भरोसा बुरी तरह से टूटेगा। इन भ्रष्ट अधिकारियों पर संगठित अपराध सरगनाओं को सूचना लीक करने, रिश्वत लेने, दस्तावेज चुराने, मादक पदार्थों की तस्करी में सहायता करने, उन्हें संरक्षण देने, विश्वासघात करने और आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप है। कनाडा में अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भ्रष्टाचार जांच में जिन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं, उनमें 1 या 2 ऐसे अधिकारी भी शामिल हैं जिनका पिछला रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है लेकिन इसके बावजूद वे पुलिस बल में तैनात रहे। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि यह आम बात हो गई है। कनाडा में ऐसा कोई अपराध नहीं है जिसमें भारतीय पंजाबी शामिल न हों, कार चोरी, यातायात नियमों का उल्लंघन, धमकी देकर जबरन वसूली, गोलीबारी, सेंधमारी, आव्रजन धोखाधड़ी और अब एक पंजाबी पहचान वाला अधिकारी, कांस्टेबल। सौरभजीत बेदी और दिलजीत सिंह नामक अन्य व्यक्ति भी इन गतिविधियों में शामिल हैं। ये सब बिना किसी मिलीभगत या अपराध के कैसे हो सकता है, चाहे वे किसी भी विभाग में कदम रखें। गिरफ्तार अधिकारियों द्वारा अपराधियों को दी गई सूचनाओं के कारण कई स्थानों पर गोलीबारी और जबरन वसूली की घटनाएं भी घटी हैं। पुलिस इतिहास के रिकॉर्ड बताते हैं कि आधुनिक पुलिस व्यवस्था के संस्थापक सर रॉबर्ट पील ने 1829 में लंदन मैट्रोपॉलिटन पुलिस बल की स्थापना करते समय कहा था कि पुलिस ही जनता है और जनता ही पुलिस है। उनका तात्पर्य यह था कि पुलिस को प्रभावी बनाने के लिए जनता का विश्वास और सहयोग जीतना पहली शर्त है। लेकिन नागरिकों के लिए प्रभावी पुलिसिंग के इस मूल सिद्धांत को एक बड़ा झटका लगा है। 1995 से 2005 के बीच आर.सी.एम.पी. द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ की गई जांच के दौरान, 204 अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी पाया गया। 2014 में, मॉन्ट्रियल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रोबर्ज को नस्लवादी गिरोह हेल्स एंजल्स से संबंध रखने के आरोप में 8 साल की जेल की सजा सुनाई गई। 2022 में, ओंटारियो टोइंग उद्योग के खिलाफ एक आपराधिक जांच के दौरान 6 प्रांतीय पुलिस अधिकारियों को दोषी पाया गया। 2024 की एक घटना में, आर.सी.एम.पी. के खुफिया अधिकारी कैमरून ऑर्टिज को सरकारी जानकारी लीक करने और विभाग के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। पुलिस व्यवस्था में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए, सरकार और पुलिस प्रशासन की यह पहली जिम्मेदारी है कि वे वर्तमान जबरन वसूली और बर्खास्तगी के संकट का तुरंत समाधान करें और संतोषजनक परिणाम प्रदान करें, साथ ही भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई और अनुकरणीय दंड सुनिश्चित करें।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव और निष्पक्षता का खत्म होना

> विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने की योजना बना रहे थे, स्वयं में एक ऐसी घटना है जो कार्यपालिका की सुरक्षा, विधायिका के विशेषाधिकार, और संसदीय स्वतंत्रता के क्रमबद्ध तरीके से खत्म होने के खतरनाक मेल को उजागर करती है। इस संसदीय तूफान के केन्द्र में एक ऐसा दावा है जो एक ऐसे परिकल्पित राज्य या समाज की ओर इंगित करता है जहां लोग अन्याय से पीड़ित हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला का यह सार्वजनिक दावा कि चुने हुए प्रतिनिधियों की रुकावट डालने वाली चालों की वजह से प्रधानमंत्री का सदन से गैरहाजिर रहना जरूरी हो गया था, भारतीय विधायिका के इतिहास में एक अहम मोड़ है। परम्परा से लोकसभा अध्यक्ष सदन के अभिभावक होते हैं, जो कार्यपालिका के दखल से सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर एक जरूरी बहस से प्रधानमंत्री के गैरहाजिर रहने को सही ठहराने के लिए गुप्तचर सूचना का हवाला देकर, लोकसभा अध्यक्ष ने असल में पटकथा को पलट दिया है। वह सांसदों के रक्षक से इसरकार की ढालश बन गए हैं। नजारा कड़वा है, पीठासीन अधिकारी, जिसे सदन के अंदर आखिरी अधिकारी होना चाहिए, अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बिचौलिए के तौर पर काम कर रहे हैं। इस कदम से पता चलता है कि स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) और इंटेलिजेंस ब्यूरो अब स्पीकर की कुर्सी पर एक प्रॉक्सी सीट रखते हैं। अगर प्रधानमंत्री, जो देश के सबसे ताकतवर आदमी हैं, देश के सबसे सुरक्षित भवन के अंदर लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों का सामना नहीं कर सकते, तो यह या तो सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी नाकामी का इशारा है या एक आसान राजनीतिक पलायन की रणनीति का। इस विवाद को और ज्यादा जहरीला बनाया गुमनाम एप्सटीन फाइलों के वायरल होने ने, जिसमें विपक्ष के सांसदों को जोड़ा गया था, जो अजीब कपड़े फाड़ने की साजिश थी।

भारत के संसद, जो लंबे समय से जोरदार बहस और कभी-कभी हंगामे का मैदान रहा है, अब एक ऐसे युद्ध के मैदान में बदल गया है जहां निष्पक्ष अंपायर की अवधारणा ही खतरे में है। हाल ही में लगभग 120 विपक्षी सांसदों द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास पेश करना सिर्फ एक प्रक्रिया से जुड़ी झड़प नहीं है, बल्कि यह एक ढांचागत दरार है। लोकसभा अध्यक्ष के इस दावे, जैसा पहले कभी नहीं हुआ,से शुरू हुए विवाद कि गुप्तचर सूचना से पता चला है कि विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरने की योजना बना रहे थे, स्वयं में एक ऐसी घटना है जो कार्यपालिका की सुरक्षा, विधायिका के विशेषाधिकार, और संसदीय स्वतंत्रता के क्रमबद्ध तरीके से खत्म होने के खतरनाक मेल को उजागर करती है। इस संसदीय तूफान के केन्द्र में एक ऐसा दावा है जो एक ऐसे परिकल्पित राज्य या समाज की ओर इंगित करता है जहां लोग अन्याय से पीड़ित हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला का यह सार्वजनिक दावा कि चुने हुए प्रतिनिधियों की रुकावट डालने वाली चालों की वजह से प्रधानमंत्री का सदन से गैरहाजिर रहना जरूरी हो गया था, भारतीय विधायिका के इतिहास में एक अहम मोड़ है। परम्परा से लोकसभा अध्यक्ष सदन के अभिभावक होते हैं, जो कार्यपालिका के दखल से सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर एक जरूरी बहस से प्रधानमंत्री के गैरहाजिर रहने को सही ठहराने के लिए गुप्तचर सूचना का हवाला देकर, लोकसभा अध्यक्ष ने असल में पटकथा को पलट दिया है। वह सांसदों के रक्षक से इसरकार की ढालश बन गए हैं। नजारा कड़वा है, पीठासीन अधिकारी, जिसे सदन के अंदर आखिरी अधिकारी होना चाहिए, अब सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बिचौलिए के तौर पर काम कर रहे हैं। इस कदम से पता चलता है कि स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) और इंटेलिजेंस ब्यूरो अब स्पीकर की कुर्सी पर एक प्रॉक्सी सीट रखते हैं। अगर प्रधानमंत्री, जो देश के सबसे ताकतवर आदमी हैं, देश के सबसे सुरक्षित भवन के अंदर लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों का सामना नहीं कर सकते, तो यह या तो सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी नाकामी का इशारा है या एक आसान राजनीतिक पलायन की रणनीति का। इस विवाद को और ज्यादा जहरीला बनाया गुमनाम एप्सटीन फाइलों के वायरल होने ने, जिसमें विपक्ष के सांसदों को जोड़ा गया था, जो अजीब कपड़े फाड़ने की साजिश थी। हालांकि सरकार

ने इन्हें श्एआई से बनी चालेंश कहकर खारिज कर दिया, लेकिन असली नुकसान संस्थागत ताने-बाने को हुआ। जब लोकसभा अध्यक्ष की आधिकारिक बातें इंटरनेट पर टांग खींचने वाले सनसनीखेज बातों जैसी होती हैं- यह इशारा करते हुए कि महिला सांसद सुरक्षा के लिए खतरा हैं- तो सदन की इज्जत न सिर्फ कम होती हैय बल्कि वह जलकर राख हो जाती है। संसदीय विरोध को एक शारीरिक खतरे के तौर पर दिखाकर, सत्ताधारी सरकार, लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय के जरिए, विपक्ष के असली मतलब को ही गलत साबित करने की कोशिश कर रही है। लोकतंत्र में, श्घेराव, नारे लगाना और वॉकआउट उन लोगों के हथियार हैं जिन्हें वोट नहीं दिया जाता। इन पर श्कानून व्यवस्था के जोखिमश के तौर पर छाप लगाना संसद को साफ-सुथरा बनाने और इसे एक एकल संस्कृति की गूंज वाले सदन में बदलने की एक सोची-समझी चाल है, जहां कार्यपालिका को कभी असहजता महसूस न हो। लोकसभा अध्यक्ष के कामों का तकनीकी बचाव अक्सर संविधान की चुप्पी में चला जाता है। जबकि अनुच्छेद 118 सदन को अपने नियम बनाने की इजाजत देता है, ऐसा कोई साफ प्रावधान नहीं है जो लोकसभा अध्यक्ष को गुप्तचर सूचना के आधार पर प्रधानमंत्री को सत्र छोड़ने की सलाह देने का अधिकार दे। यह एक अस्पष्ट संवैधानिक ग्रे जोन में आता है। हालांकि, संवैधानिक नैतिकता सिर्फ लिखी हुई बातों के बारे में नहीं है, बल्कि जो व्यवहार में किया जाता है, उसके बारे में है। लोकसभा अध्यक्ष का अधिकार निष्पक्षता की सोच पर टिका होता है। जब उस सोच को पार्टी की सुविधा के लिए बदल दिया जाता है, तो यह पद अपना नैतिक वजन खो देता है। विपक्ष की शिकायत साफ है, अगर लोकसभा अध्यक्ष सार्वजनिक रूप से गुप्तचर कथा का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं, तो वे रेफरी नहीं रह जाते और प्लेयर बन जाते हैं। कार्यपालिका से परहेज का यह सामान्यीकरण यह पक्का करता है कि जिम्मेदारी विधायिका का मुख्य काम है, और वही सबसे पहले नुकसान में है। कुल 120 सांसदों के समर्थन वाला यह प्रस्ताव संख्या के हिसाब से मजबूत नहीं है। भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए आराम से 272 का आंकड़ा पार कर जाएगा, इसलिए प्रस्ताव हार जाएगा, और ओम बिड़ला पद पर बने रहेंगे। तब विपक्ष को कैसे परेशानी होगी, यह सवाल खड़ा होता है। इसका जवाब भरोसे के बैरोमीटर में है। यह प्रस्ताव टूटे हुए रिश्ते का एक औपचारिक रिकॉर्ड है। राहुल गांधी के हस्ताक्षर की रणनीतिगत गैरमौजूदगी भी- शायद टकराव को सीधे व्यक्तिगत करने से बचने की एक चाल है- जो इस बात को नहीं छिपा सकती कि सदन का एक बड़ा हिस्सा अब अध्यक्ष को एक निष्पक्ष निर्णायक के तौर पर नहीं देखता। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का इतिहास जो 1954 में जी.वी. मावलंकर से लेकर आज तक की है, एक रुझान दिखाती हैरू वह यह कि ये प्रस्ताव मोशन कभी भी वोट जीतने के बारे में नहीं होतेय ये विश्वास के संकट को उजागर करने के बारे में होते हैं।

वेस्टइंडीज ने नेपाल को नौ विकेट से रौंदा, 28 गेंद रहते हासिल किया 134 रन का लक्ष्य कप्तान होप चमके

मुंबई। टी20 विश्वकप 2026 के 25वें मैच में वेस्टइंडीज का मुकाबला नेपाल से जारी है। ग्रुप-सी का यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। टी20 विश्वकप 2026 के 25वें मैच में वेस्टइंडीज का मुकाबला नेपाल से हुआ। ग्रुप-सी का यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 133 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 15.2 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान शाई होप ने 61 रन की नाबाद पारी खेली और जेसन होल्डर ने चार विकेट झटके। इसके लिए होल्डर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। नेपाल की पारी दीपेंद्र सिंह ऐरी को छोड़कर नेपाल का कोई बल्लेबाज नहीं चला। आसिफ शेख 10 गेंद में 11 रन, आरिफ शेख दो रन और लोकेश बाम 13 रन बना सके। गुलशन झा ने 11 रन और करण केसी ने एक रन बनाए। दीपेंद्र सिंह ने 47 गेंद में तीन चौके और तीन छक्के की मदद से 58 रन की पारी खेली। सोमपाल कामी 15 गेंद में चार चौके की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे।

सारा अर्जुन ने अपने फैंस को दी 'महाशिवरात्रि' की बधाई, शेयर की अहम सूचना; सतर्क रहने की दी हिदायत

'धुरंधर' अभिनेत्री सारा अर्जुन ने आज अपने सभी फैंस को महाशिवरात्री की शुभकामनाएं दीं। इसी के साथ सारा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल को लेकर एक खास सूचना भी जारी की है।

फिल्म 'धुरंधर' में सारा अर्जुन के अभिनय को खूब सराहा गया। वहीं उनके फैंस अब फिल्म 'धुरंधर 2' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच सारा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के बारे में एक अहम सूचना जारी करते हुए सभी को सतर्क रहने की हिदायत दी है। जानिए क्या?

सारा ने फैंस को दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

'धुरंधर' अभिनेत्री सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने सभी फैंस को महाशिवरात्रि की शुभमानाएं देते हुए लिखा, 'आप सभी को गुड मॉर्निंग और सभी को महाशुवरात्रि की शुभकामनाएं।' इस पोस्ट के साथ सारा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल को लेकर भी अहम सूचना जारी की है।

सारा ने दी अहम सूचना

सारा अर्जुन ने आज इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक खास सूचना दी है। सारा ने बताया है कि वह ट्विटर पर नहीं हैं। सारा ने लिखा, 'मैं बस कुछ जरूरी बातें शेयर करना चाहती हूं। मैं ट्विटर पर नहीं हूं।' सारा ने आगे यह भी बताया कि ट्विटर प्लेटफॉर्म पर उनका कोई ऑफिशियल अकाउंट नहीं है। इसके साथ ही सारा ने न्यूज चैनल्स को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। सारा ने लिखा, '(न्यूज चैनल) अगर आपको मेरे नाम से किसी हैंडल से कोई ट्वीट या बयान दिखे, तो प्लीज जान लें कि वह मैं नहीं हूं और वह किसी भी तरह से मुझसे जुड़ा नहीं है।' आगे सारा ने लिखा की उन्हें समझने के लिए धन्यवाद।

'धुरंधर 2' आदित्य धर द्वारा निर्देशित एक स्पाई-थ्रिलर फिल्म है। यह 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल है। इसमें रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के अलावा कई कलाकारों ने मुख्य भूमिका निभाई है। इसी दिन कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' भी रिलीज होगी।

दो दीवाने सहर में की रिलीज के बीच मृणाल ठाकुर ने सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ शेयर की तस्वीरें, लिखा- 'दीवानी'

मृणाल ठाकुर ने आज अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किए हैं। लेकिन इस पोस्ट में उनके लिखे कैप्शन ने सभी फैंस को हैरान कर दिया है।

सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर अभिनीत फिल्म 'दो दीवाने सहर में' 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म की रिलीज से पहले मृणाल ने आज अपनी और

सिद्धांत चतुर्वेदी की कई तस्वीरें शेयर कीं। लेकिन फैंस को उनके कैप्शन को पढ़कर काफी हैरानी हो रही है।

मृणाल ने शेयर की तस्वीरें

मृणाल ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार और प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। कुछ तस्वीरों में मृणाल अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। तो कुछ वीडियो में वह सिद्धांत के साथ डांस करती बेहद खुश लग रही हैं।

मृणाल का नोट

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म की रिलीज से पहले मृणाल ने इस शानदार तस्वीरों और वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'दीवानी'। मुणाल के इस नोट ने उनके फैंस को जरूर हैरान कर दिया है।

फैंस के कमेंट्स

पहली तस्वीर में मृणाल सेल्फी खिंचतीं नजर आ रही हैं और दूसरी तस्वीर लाल गुलाब की है। मृणाल ठाकुर ने अपनी इस पोस्ट में कई तस्वीरों और वीडियो के साथ कैप्शन में 'दीवानी' लिखा है। जिसे लेकर उनके फैंस काफी हैरान हैं। एक फैन ने लिखा, 'सबसे ज्यादा खूबसूरत दीवानी', दूसरे फैन ने लिखा, 'कितनी खूबसूरत तस्वीरें हैं, फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है', एक फैन ने लिखा, 'किसकी दीवानी?'

'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगी मृणाल

'दो दीवाने शहर में' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। 'दो दीवाने शहर में' 20 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। रवि उदयावर द्वारा निर्देशित और संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित, इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मुंबई की पृष्ठभूमि में दो अलग-अलग व्यक्तित्व वाले लोगों की कहानी है, जो एक-दूसरे को समझने और प्यार खोजने की कोशिश करते हैं।

सबा पटौदी ने रणधीर कपूर को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं, शेयर की बबीता के साथ खूबसूरत तस्वीर

सैफ अली खान की बहन सबा पटौदी ने आज रणधीर कपूर को उनके 79वें जन्मदिन पर खास बधाई दी है। सबा ने सोशल मीडिया हैंडल पर रणधीर की शादी के खास दिन की एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो उनके लिए भी बेहद खास है।

सबा पटौदी ने रणधीर कपूर और बबीता की शादी की एक ब्लैक एंड व्हाइट पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर के जरिए सबा ने रणधीर कपूर को उनके 79वें जन्मदिन की बधाई दी है। इस पुरानी तस्वीर में कपूर परिवार के अलावा सबा के माता-पिता भी नजर आ रहे हैं।

सबा का पोस्ट

सबा ने आज इंस्टाग्राम स्टोरी पर अभिनेता रणधीर कपूर के जन्मदिन पर एक खास ब्लैक एंड व्हाइट पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ सबा ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो रणधीर अंकल।' आगे सबा ने लिखा, 'अब्बा यह यादगार पल।' इस तस्वीर में रणधीर कपूर और बबीता के अलावा सबा के पिता मंसूर अली खान पटौदी और मां शर्मिता भी नजर आ रही हैं।

कौन हैं रणधीर कपूर?

रणधीर कपूर का जन्म 15 फरवरी 1947 को हुआ था। वह हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और फिल्म निमार्ता हैं। वह मशहूर अभिनेता-फिल्म निमार्ता राज कपूर के बड़े बेटे और पृथ्वीराज कपूर के पोते हैं। उन्होंने 1971 की फिल्म 'कल आज और कल' से अभिनय और निर्देशन की शुरूआत की और 70-80 के दशक में 'जवानी दीवानी', 'रामपुर का लक्ष्मण' जैसी कई हिट फिल्में दीं। रणधीर ने 1971 से अभिनेत्री बबीता से शादी की है। उनकी दो बेटियां हैं- करिश्मा कपूर और करीना कपूर ।

शिव भक्ति में लीन हुए सितारे, अजय देवगन से लेकर रवीना टंडन ने दी शुभकामनाएं सद्गुरु आश्रम पहुंचीं सारा अर्जुन

महाशिव रात्रि को बॉलीवुड सेलेब्स भी अलग-अलग ढंग से मना रहे हैं। कुछ मंदिर जा रहे हैं, कुछ महाशिवरात्रि कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। जानिए, सेलेब्स कैसे कर रहे हैं, महादेव की भक्ति?

आज महाशिव रात्रि का पर्व देश भर में उल्लास-उमंग से मनाया जा रहा है। आम ही नहीं बॉलीवुड सितारे भी शिव भक्ति में लीन हैं। कई सेलेब्स प्रसिद्ध शिव मंदिर जा रहे हैं। कुछ सितारे आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव यानी सद्गुरु के आश्रम भी महाशिव रात्रि मनाने पहुंचे हैं। इसके अलावा कई सेलेब्स फैंस को शिवरात्रि की शुभकामनाएं भी दे रहे हैं।

सारा अर्जुन सद्गुरु आश्रम में महाशिवरात्रि मनाने पहुंचीं

फिल्म 'धुरंधर' फेम एक्ट्रेस सारा अर्जुन शिव की भक्ति में मगन नजर आईं। वह महाशिवरात्रि मनाने के लिए सद्गुरु आश्रम पहुंची हैं। सभी को उन्होंने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं।

अजय देवगन, अक्षय कुमार के अलावा अनिल कपूर और अनुपम ने दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

अजय देवगन बहुत बड़े शिव भक्त हैं। उन्होंने भगवान शिव का टैटू भी अपने शरीर पर बनवाया है। अजय ने महाशिवरात्रि पर इंस्टाग्राम पर शिव स्तुति करते हुए पोस्ट साझा की है। अजय के अलावा अनिल कपूर, अक्षय कुमार और अनुपम खेर ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं फैंस को दी हैं।

निमरत कौर ने साझा की ओंकारेश्वर महादेव की तस्वीर

निमरत कौर ने इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं फैंस को दी हैं। उन्होंने ओंकारेश्वर महादेव दर्शन की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। साथ ही लिखा है, 'ऊं नमः पार्वती पतये हर हर महादेव।'

गायक स्वरूप खान भी सद्गुरु आश्रम में संगीत प्रस्तुति देने पहुंचे

चर्चित लोकगायक स्वरूप खान भी सद्गुरु आश्रम में महाशिवरात्रि के उत्सव में शामिल होने पहुंचे हैं। वह यहां पर संगीत प्रस्तुति देंगे, शिव के भक्ति गीत गाएंगे।

नए लुक में नजर आए राजकुमार राव, वीडियो हुआ वायरल यूजर्स ने जताई हैरानी

सोशल मीडिया पर राजकुमार राव के नए लुक की काफी चर्चा है। उनके लुक को लेकर युजर्स ने कमेंट किए हैं।

हाल ही में राजकुमार राव ने मुंबई में मुकेश छाबड़ा की तरफ से आयोजित 'बोलती खिड़कियां' फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की। इवेंट के कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हैं। तस्वीरों और वीडियो में देखा जा सकता है कि राजकुमार राव अलग तरह की

हेयर स्टाइल और लुक में नजर आए। उनके इस लुक की काफी चर्चा हो रही है।

राजकुमार राव का वीडियो वायरल

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि राजकुमार राव ने अपना लुक काफी सिंपल रखा है। उन्होंने काले रंग के कपड़े पहने हैं। जींस के साथ सादी शर्ट पहनी है। सफेद जूतों के साथ उन्होंने चश्मा भी पहना है। पहले वह क्लीन शेव में नजर आते थे। इसके उलट आज वह दाढ़ी और मुछों में नजर आए।

फराह के साथ दिया पोज

राजकुमार राव के बाल पहले से अलग और पतले नजर आए। बदले हुए लुक में राजकुमार राव शांत और खुश दिखे। उन्होंने कैमरे में देखकर स्माइल दी। उन्होंने कैमरामैन को ग्रीट किया। राजकुमार राव ने फराह खान के साथ पोज दिया।

यूजर्स ने जताई हैरानी

राजकुमार राव के इस लुक पर कई यूजर्स ने हैरानी जताई है। एक यूजर ने लिखा है 'ओह बाल कहां चले गए राजकुमार राव के।' एक और यूजर ने लिखा है 'फराह के साथ मालिक।'

राजकुमार राव का वर्कफ्रंट

ख्याल रहे कि राजकुमार राव जल्द ही क्रिकेटर सौरव गांगुली पर बन रही बायोपिक में नजर आने वाले हैं। इसकी शूटिंग मार्च 2026 के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। राजकुमार का बदला हुआ लुक इस फिल्म के लिए हो सकता है।

फिल्मों को लेकर फैंस ने क्यों मारा ताना? जाहिर की नाराजगी; रणबीर कपूर ने कहा- यह मेरा बैड लक है

हाल ही में रणबीर कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के कई सवालों का जवाब दिया। इस दौरान फैंस ने अभिनेता को ट्रोल किया? इसकी वजह उनकी आने वाली फिल्में रहीं? फैंस को रणबीर कपूर ने भी अपने तरफ से जवाब देने की कोशिश की।

रणबीर कपूर की दो साल से कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई। वह साल 2023 में फिल्म एनिलम में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अभिनय, एक्शन को दर्शकों ने पसंद किया। इस साल उनकी फिल्म रामायण का पहला पार्ट दिवाली पर रिलीज होगा। लेकिन फैंस रणबीर कपूर से काफी निराश हैं। यह नाराजगी ट्रोलिंग के तौर पर भी अभिनेता के सामने आई। जानिए, इस पर रणबीर कपूर ने क्या जवाब दिया।

फैन ने कसा फिल्में रिलीज ना होने पर तंज

हाल ही में अपने लाइफस्टाइल ब्रैंड के प्रमोशन के लिए रणबीर कपूर ने इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन किया।

इसमें फैंस की कई बातों के जवाब दिए। एक फैन ने लाइव सेशन में कमेंट किया, एक सुपरस्टार था जिसको फिल्में मिलती लेकिन वह 3 या 4 साल के लिए गायब हो जाता था। दरअसल, रणबीर कपूर के फैंस इस बात से नाराज हैं कि उनकी फिल्में दो साल से रिलीज नहीं हो रही हैं।

रणबीर कपूर ने फैंस को क्या दिया जवाब?

फैन के सवाल के जवाब में रणबीर कपूर ने कहा, यार, यह मेरा ही बैड लक है। जब भी मैं कोई फिल्म शुरू करता हूं तो अक्सर लोग 4 या 6 महीने में फिल्म खत्म कर लेते हैं। लेकिन मेरी फिल्मों में बहुत टाइम लगता है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि जब यह रिलीज होंगी, तो आप वह सारा टाइम भूल जाएंगे जो इसमें लगा है। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि मैं पिछले 2-3 साल से सच में बहुत मेहनत कर रहा हूं। मुझे लगता है कि अच्छी चीजों में टाइम लगता है।

रणबीर कपूर इन फिल्मों में भी आएंगे नजर

इस साल रणबीर कपूर की फिल्म रामायण रिलीज होगी। इसके पहला पार्ट दिवाली पर आएगा। वहीं दूसरा पार्ट अगले साल दिवाली पर रिलीज होगा। इसके अलावा वह संजय लीला भंसाली की एक फिल्म लव एंड वॉर भी कर रहे हैं। इसमें आलिया भट्ट भी साथ नजर आएंगी। विक्की कौशल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

शादी की सालगिरह पर गुरमीत चौधरी ने देबिना के साथ शेयर की रोमांटिक तस्वीरें, पत्नी को बताया अपनी शक्ति

टीवी के प्रसिद्ध कपल गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी की आज 15 फरवरी को शादी की सालगिरह है। इस अवसर पर दोनों ने केक काटकर रोमांटिक पलों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है।

गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी की आज शादी की सालगिरह है। इस खास दिन पर गुरमीत ने सोशल मीडिया पर कुछ खूबसूरत फोटो शेयर किए। फोटो में दोनों कई रोमांटिक पोज में नजर आए। देबिना डेनिम शॉर्ट ड्रेस में ग्लैमरस दिखीं तो वहीं गुरमीत भी स्टाइलिश नजर आए।

गुरमीत का पोस्ट

गुरमीत चौधरी ने आज इंस्टाग्राम हैंडल पर पत्नी देबिना के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। गुरमीत ने ये तस्वीरें खासतौर पर अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर शेयर की हैं। एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे के साथ केक काटते नजर आए। तो वहीं कई तस्वीरों में केक के साथ पोज देते नजर आए।

गुरमीत का नोट

गुरमीत ने देबिना के लिए बहुत प्यारा मैसेज लिखा। उन्होंने लिखा देबिना आज भी उनकी ताकत, शक्ति और सहारा बताया। उन्होंने अपने रिश्ते को डिवाइन ब्लेसिंग (ईश्वरीय आशीर्वाद) बताया। साथ ही महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं भी दीं। फैंस ने भी इस पोस्ट पर ढेर सारे प्यार भरे कमेंट किए। एक ने लिखा 'एक-दूजे के लिए', दूसरे ने लिखा, 'हैप्पी एनिवर्सरी मेरे फेवरेट कपल को', एक और फैन ने लिखा, 'हैप्पी एनिवर्सरी क्यूटी'

नॉकआउट मैच में केएल राहुल का धमाका, दामाद के शतक पर जश्न में डूबे सुनील शेट्टी

लखनऊ। केएल राहुल ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 सेमीफाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शानदार शतक जड़कर फर्स्ट क्लास करियर का 25वां सैकड़ा पूरा किया और कर्नाटक को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनकी इस पारी के बाद सोशल मीडिया पर जश्न छा गया, जबकि उनके ससुर सुनील शेट्टी भी खुशी से झूमते नजर आए। रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले में केएल राहुल का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 2025-26 सीजन के सेमीफाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ शानदार शतक जड़कर अपनी बेहतरीन फॉर्म जारी रखी। यह मुकाबला लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जा रहा है। पहले दिन राहुल का दमदार प्रदर्शन राहुल ने कप्तान मयंक अग्रवाल के साथ पारी की शुरूआत संभलकर की। हालांकि नौवें ओवर में आदित्य रावत ने मयंक (5 रन) को आउट कर कर्नाटक को झटका दिया। इसके बाद राहुल ने मोर्चा संभाला और देवदत्त पडिक्कल के साथ दोहरी शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। पहले सत्र में संयम से खेलने के बाद दूसरे सत्र में राहुल ने आक्रामक रुख अपनाया और 153 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह इस सीजन के नॉकआउट मुकाबलों में उनका लगातार दूसरा शतक है। फर्स्ट क्लास करियर में 25वां शतक यह राहुल के फर्स्ट क्लास करियर का 25वां शतक है। इससे पहले क्वार्टरफाइनल में मुंबई के खिलाफ उन्होंने 130 रन की पारी खेली थी। 119वें फर्स्ट क्लास मैच में राहुल ने 8,880 से ज्यादा रन बना लिए हैं।

तारिक रहमान 17 फरवरी को लेंगे ढट पद की शपथ सामने आई कैबिनेट के संभावित नामों की सूची

ढाका। बांग्लादेश में मंगलवार को तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की नई सरकार शपथ लेगी। कैबिनेट में 32 से 42 सदस्य हो सकते हैं, जिसमें अनुभवी और युवा नेताओं को जगह मिलने की उम्मीद है। वित्त, विदेश और गृह जैसे अहम मंत्रालयों के लिए संभावित नामों पर चचाएं तेज हो गई हैं। बांग्लादेश में 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के नतीजे आने के बाद अब नई सरकार के गठन की तैयारी अंतिम दौर में है। मंगलवार, 17 फरवरी को नई कैबिनेट शपथ लेगी। चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने सरकार बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। सरकार ने चुने हुए सांसदों की सूची वाला आधिकारिक गजट भी जारी कर दिया है। संविधान के अनुच्छेद 148 के अनुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के तीन दिनों के भीतर शपथ लेना जरूरी है। चुनाव आयोग के सचिव अख्तर अहमद ने बताया कि मंगलवार को ही सांसद और कैबिनेट सदस्य शपथ लेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, तारिक रहमान प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे। उनकी कैबिनेट बहुत बड़ी नहीं होगी और इसमें 32 से 42 सदस्य शामिल हो सकते हैं। तारिक रहमान ने अनुभवी और युवा नेताओं को साथ लेकर चलने की योजना बनाई है। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान ने कैबिनेट बनाने के बारे में सीनियर नेताओं से सलाह-मशविरा शुरू कर दिया है। बीएनपी स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा कि कैबिनेट का आखिरी रूप देखने के लिए देश को थोड़ा और इंतजार करना होगा। किसको मिलेगी क्या जिम्मेदारी? मंत्रालयों की जिम्मेदारी को लेकर कई नामों की चर्चा है। हुमायूं कबीर को विदेश मंत्रालय और डॉ. रेजा किबरिया को वित्त मंत्रालय मिल सकता है। डॉ. किबरिया पहले अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में वरिष्ठ अर्थशास्त्री रह चुके हैं। अमीर खसरू महमूद चौधरी को वाणिज्य मंत्रालय और बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को स्थानीय सरकार मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जा सकती है। कानून मंत्रालय के लिए मोहम्मद असदुज्जमां और गृह मंत्रालय के लिए सलाहुद्दीन अहमद का नाम आगे है। मिर्जा अब्बास को सड़क परिवहन और ब्रिज मंत्रालय मिल सकता है। स्वास्थ्य विभाग डॉ. एजेडएम जाहिद हुसैन और सूचना मंत्रालय रूहुल कबीर रिजवी को मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा नजरुल इस्लाम खान, डॉ. अब्दुल मोईन खान, गायेश्वर चंद्र रॉय, मेजर (रिटायर्ड) हाफिज उद्दीन अहमद, इकबाल हसन महमूद तुकू, सलीमा रहमान, अंदलीव रहमान पार्थो, मिजानुर रहमान मीनू और शमा ओबैद जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी अहम भूमिका मिल सकती है। खबर है कि नई सरकार बनने के बाद राष्ट्रपति भी बदला जा सकता है। इस पद के लिए डॉ. खंडाकर मोशर्रफ हुसैन के नाम पर विचार हो रहा है। इन नामों पर भी हो रहा विचार कैबिनेट के लिए कई और नामों पर भी विचार हो रहा है। इनमें जोनायद साकी, इशराक हुसैन, अब्दुल अवल मिंटू, अंदलीव रहमान पार्थो, निताई रॉय चौधरी, काजी शाह मोफज्जल हुसैन कैकोबाद, शाहिद उद्दीन चौधरी अनी, अनिंद्य इस्लाम अमित, खंडाकर अब्दुल मुक्तदिर, अरिफुल हक चौधरी, उस्मान फारूक, बॉबी हज्जाज, हम्माम कादर चौधरी, नायाब यूसुफ, जहीर उद्दीन स्वपन, बैरिस्टर फरजाना शर्मीन पुतुल, नूरुल हक नूर, नौशाद जमीर, मीर हेलाल, असदुल हबीब दुलु, अली असगर लॉबी, रूहुल कुद्दुस तालुकदार दुलु और एमडी शरीफुल आलम शामिल हैं। तारिक रहमान ने कैबिनेट गठन के लिए वरिष्ठ नेताओं से सलाह शुरू कर दी है।

पाकिस्तान की इंटरनेशनल फजीहत, जर्मनी में आसिम मुनीर से मांगा पहचान पत्र

म्यूनिख। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) आसिम मुनीर को एक कार्यक्रम में दाखिल होने से पहला रोका और उनसे उनका पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ लंच करके इतराने वाले पाकिस्तान आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की इंटरनेशनल फजीहत हुई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आसिम मुनीर जर्मनी गए हैं, जहां उनको एक कार्यक्रम से पहले रुकावट का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं वहां मौजूद सुरक्षा अधिकारियों ने उनसे उनका पहचान पत्र भी दिखाने के लिए कहा। दरअसल, आसिम मुनीर और उनकी टीम म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गई। जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। जिसमें एक सुरक्षा अधिकारी ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख से अपना पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा। यह वाक्या सम्मेलन के प्रवेश द्वार से कुछ ही कदम पहले हुई। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे आसिम मुनीर जब सुरक्षा सम्मेलन में शामिल होन के लिए दाखिल हो रहे हैं तो उनको आईडी कार्ड दिखाने के लिए कहा गया। साथ ही अपना पहचान पत्र सामने की तरफ सीधा रखने की भी नसीहत दी। मुनीर के शामिल होने पर कड़ी आपत्ति इधर, जर्मनी स्थित सिंधी राजनीतिक संगठन जय सिंध मुत्ताहिदा महाज (खरट्ट) ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में फील्ड मार्शल मुनीर की भागीदारी पर कड़ी आपत्ति जताई है। संगठन ने निमंत्रण को 'बेहद खेदजनक' बताते हुए अंतरराष्ट्रीय हितधारकों से इस पर ध्यान देने का आग्रह किया है। इसी के साथ जेएसएमएम के सदस्यों ने कार्यक्रम स्थल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और पाकिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन को उजागर किया। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, जर्मन सरकार और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों को संबोधित एक औपचारिक बयान में जेएसएमएम के अध्यक्ष शफी बुरफत ने उच्च स्तरीय वैश्विक मंच पर फील्ड मार्शल मुनीर की उपस्थिति पर गहरा सदमा और अफसोस जताया। बता दें कि म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन, जिसे संवाद और संघर्ष समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर व्यापक रूप से माना जाता है। यह हर साल विश्न के नेताओं, राजनयिकों और सुरक्षा विशेषज्ञों को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक साथ लाता है।

वास्तविक शांति लाने के लिए यूक्रेन समझौते को तैयार जेलेंस्की ने बताया- कहां गलती कर रहा यूरोप

म्यूनिख। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने संकेत दिए हैं कि वे रूस के साथ स्थायी समाधान के पक्ष में हैं। हालांकि उन्होंने संघर्ष को सम्मानजनक तरीके से समाप्त करने पर जोर दिया। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यूक्रेन के राष्ट्रपति क्या-क्या बोले.. जानिए। यूक्रेन शांति समझौते के लिए तैयार हो गया है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने जर्मनी के म्यूनिख में कहा कि यूक्रेन एक ऐसे समझौते के लिए तैयार है, जो वास्तविक शांति लाएगा। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, 'यूक्रेन एक ऐसे समझौते के लिए तैयार है जो हमारे लिए, यूक्रेन के लिए और यूरोप के लिए वास्तविक शांति लाएगा।' उन्होंने कहा कि इस संकट को सम्मानजनक तरीके से समाप्त किया जा सकता है और यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। जेलेंस्की ने यूरोप को चेताया जेलेंस्की का कहना है कि यूरोप व्यावहारिक रूप से बातचीत की मेज पर मौजूद नहीं है, जो एक बड़ी गलती है। न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन बातचीत की प्रक्रिया में यूरोप को पूरी तरह से शामिल करने की कोशिश कर रहा है, ताकि यूरोप के हितों और उसकी आवाज का ध्यान रखा जा सके। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन इन वाताओं को सफल बनाने के लिए सब कुछ करेगा और वह अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ लगातार संपर्क में है। इस बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि रूस अमेरिकी नेताओं के साथ बनी सहमति के आधार पर यूक्रेन संकट का बातचीत से हल निकालने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'रूस पिछले साल अगस्त में अलास्का के एंकोरेज शहर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता के नतीजों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मॉस्को को उम्मीद है कि ईमानदार और सीधी वार्ता के लिए तैयार साझेदारों के साथ आपसी सहमति वाले समझौते में उसके हितों का पूरी तरह से ध्यान रखा जाएगा।' रूस ने कहा- दोहरे मानकों का विरोध करेंगे लावरोव ने कहा कि रूस अंतरराष्ट्रीय मामलों में सच्चाई और न्याय को बनाए रखेगा व संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों और सिद्धांतों पर आधारित एक बहुपक्षीय दुनिया को बढ़ावा देगा। उन्होंने यह भी कहा कि मॉस्को दोहरे मानकों, छिपे हुए एजेंडे, थोपे गए सेटलमेंट फॉमूर्ले और साथ ही नव-उपनिवेशवाद और आधिपत्यवाद के तरीकों का विरोध करेगा।

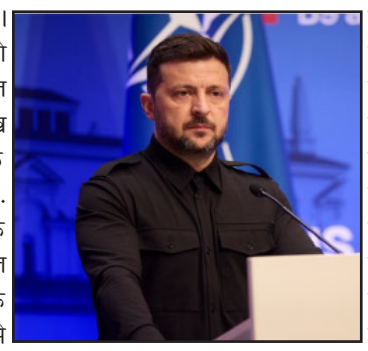

रुबियो ने जेलेंस्की से की मुलाकात, कहा- रूस-यूक्रेन युद्ध का स्थायी अंत चाहते हैं ट्रंप

म्यूनिख। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने म्यूनिख में अहम बयान दिया है उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना चाहते हैं। वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच अहम मुलाकात हुई। इस बैठक के बाद रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप एक ऐसा समाधान तलाश रहे हैं जिससे क्षेत्र में हो रहा युद्ध पूरी तरह रुक जाए। जेलेंस्की ने रुबियो को दी मौजूदा हालात की जानकारी इस मुलाकत के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रुबियो को युद्ध के मैदान के ताजा हालात की जानकारी दी। उन्होंने रुबियो के साथ यूक्रेन के बिजली और ऊर्जा सिस्टम पर रूसी हमलों के असर पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने यह भी चर्चा की कि कड़ाके की ठंड के दौरान यूक्रेन के नागरिकों की जान कैसे बचाई जाए और देश की मजबूती को कैसे बढ़ाया जाए। मुलाकत के दौरान दोनों नेताओं ने सुरक्षा गारंटी और आर्थिक सुधारों के मुद्दों पर भी बात की। जेलेंस्की ने जताया आभार यह मुलाकात जिनेवा में होने वाली एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय बैठक से ठीक पहले हुई है। 17 और 18 फरवरी को जिनेवा में यूक्रेन, रूस और अमेरिका के प्रतिनिधि की आपस में बातचीत होने की उम्मीद है। जेलेंस्की को उम्मीद है कि यह शांति वार्ता सफल और फायदेमंद रहेगी। उन्होंने अमेरिका के सकारात्मक रवैये के लिए आभार व्यक्त किया। इससे पहले जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूतों स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से भी जिनेवा बैठक को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनकी टीम अगले हफ्ते यूक्रेन का पक्ष मजबूती से रखेगी। गौरतलब है कि इससे पहले जनवरी में अबू धाबी में भी इन तीनों देशों के बीच बातचीत का एक दौर हो चुका है। जिनेवा में होगी अगली बैठक जिनेवा में होने वाली इस अगली बैठक में रूसी दल का नेतृत्व राष्ट्रपति के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की करेंगे। जेलेंस्की ने अमेरिका और वहां के लोगों से मिल रहे बड़े सहयोग के लिए शुक्रिया अदा किया। उनका मानना है कि शांति के लिए कूटनीतिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाना बहुत जरूरी है।

नए सिरे से रिश्ते हो शुरू तारिक रहमान के सलाहकार बोले- बदली हुई वास्तविकता को स्वीकार करे भारत

ढाका। बांग्लादेश चुनाव के नतीजों के बीएनपी सरकार बना रही है। इसी के साथ प्रधानमंत्री का पद तारिक रहमान संभालेंगे। इससे पहले उनके सलाहकार ने भारत के साथ रिश्तों पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ संबंधों में नए सिरे से शुरूआत चाहता है। बांग्लादेश को लगभग डेढ़ साल बाद स्थायी सरकार मिलने जा रही है। 12 फरवरी को हुए आम चुनाव के नतीजे बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के भारी बहुमत के साथ पक्ष में आए। ऐसे में अब 17 फरवरी को तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले तारिक रहमान के सलाहकार का भारत के साथ संबंधों पर बड़ा बयान सामने आया है। 'बदली वास्तविकता को स्वीकार करे भारत' न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा है कि बांग्लादेश भारत के साथ नए सिरे से संबंधों की शुरूआत करना चाहता है। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश की बदली हुई राजनीतिक वास्तविकता को स्वीकार करना भारत की जिम्मेदारी है। आपसी लाभ के लिए सहयोग की अपील अपने बयान में उन्होंने काह कि बांग्लादेश, भारत के साथ नए सिरे से संबंध स्थापित करना चाहता है, क्योंकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी अवामी लीग पार्टी अब सत्ता में नहीं हैं। बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के सलाहकार ने जोर देते हुए यह भी कहा कि दोनों देशों को 'पारस्परिक लाभ' के लिए मिलकर काम करना चाहिए। बता दें कि तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी ने शुक्रवार (13 फरवरी) को जारी हुए चुनाव परिणाम में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दो-तिहाई से अधिक सीटों पर विजय हासिल की है। शनिवार (14 फरवरी) को दिए एक साक्षात्कार में कबीर ने इस बात पर जोर दिया कि बीएनपी की शानदार चुनावी जीत के बाद बांग्लादेश में बदली हुई राजनीतिक वास्तविकता को पहचानने की जिम्मेदारी भारत पर है। शेख हसीना को बताया आतंकी हुमायूं कबीर ने कहा, 'यह बदलाव भारत की मानसिकता में आना चाहिए। शेख हसीना और अवामी लीग आज के बांग्लादेश में मौजूद नहीं हैं। जनता ने बीएनपी के पक्ष में स्पष्ट फैसला दिया है।' इसी के साथ उन्होंने 2024 के अगस्त विद्रोह के बाद भारत आई हसीना को 1500 से अधिक लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार 'आतंकवादी' बताया। वहीं कबीर ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करे कि हसीना या अवामी लीग के अन्य नेताओं द्वारा उसकी भूमि का उपयोग ऐसे तरीकों से न किया जाए जिससे बांग्लादेश में स्थिरता प्रभावित हो सके। उन्होंने आगे कहा, 'बांग्लादेश की संप्रभुता को कमजोर करने वाली किसी भी गतिविधि में भारत को सहभागी नहीं माना जाना चाहिए। एक बार यह समस्या हल हो जाए तो सामान्य राजनयिक सहयोग फिर से शुरू हो सकता है। हम पड़ोसी हैं और हमें आपसी लाभ के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

कैलिफोर्निया में लापता भारतीय छात्र का छह दिन बाद मिला शव, कर्नाटक के रहने वाले थे साकेत श्रीनिवासैया

कैलिफोर्निया। भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया लापता होने के छह दिन बाद कैलिफोर्निया में मृत पाए गए हैं। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने साकेत का शव बरामद किया है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में लापता हुए 22 वर्षीय भारतीय छात्र का शव मिला है। कर्नाटक के रहने वाले साकेत श्रीनिवासैया नौ फरवरी को लापता हो गए थे, जिसके बाद उनकी तेजी से तलाश की जा रही थी। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने पुष्टि की है कि पुलिस ने भारतीय छात्र का शव बरामद कर लिया है। साकेत श्रीनिवासैया अमेरिका में रहकर पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे थे और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के छात्र थे। सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को छात्र का शव मिला है। शव को जल्द से जल्द भारत वापस भेजने के लिए सभी आवश्यक सहायता का आश्वासन दिया है। इसी के साथ दूतावास ने परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की। छात्र के शव को जल्द भारत भेजने की तैयारी अपने एक्स पोस्ट में भारतीय दूतावास ने लिखा, 'यह सूचित करते हुए गहरा खेद है कि स्थानीय पुलिस ने लापता भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया का शव बरामद होने की पुष्टि कर दी है। इस अत्यंत कठिन समय में हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास परिवार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है, जिसमें स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय और पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत वापस भेजने की व्यवस्था करना शामिल है। हमारे अधिकारी परिवार के साथ सीधे संपर्क में हैं और सभी आवश्यक औपचारिकताओं और सेवाओं में उनका सहयोग करेंगे।' तलाशी के लिए पुलिस ने चलाया था अभियान बता दें कि साकेत को लापता होने से पहले कैंपस से लगभग एक किलोमीटर दूर आखिरी बार देखा गया था, जिसके बाद अंजा झील और बर्कले हिल्स इलाके के आसपास पूरे शहर में तलाशी अभियान चलाया गया। बाद में कैंपस के पास ही टिल्डेन रीजनल पार्क के नजदीक एक आवास के पास उनका पासपोर्ट और लैपटॉप वाला एक बैग भी मिला। अंजा झील में मृत पाए गए साकेत मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साकेत का शव बर्कले हिल्स के पास अंजा झील में पाया गया। साकेत श्रीनिवासैया, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में पोस्ट ग्रेजुएशन के छात्र थे।

युवराज पहलवी की अपील पर म्यूनिख में जुटे 2.5 लाख लोग

म्यूनिख। क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने दुनिया से ईरानी जनता का साथ देने और तेहरान पर दबाव बढ़ाने की अपील की, जिसके बाद जर्मनी के म्यूनिख में करीब 2.5 लाख लोगों ने ईरान सरकार के खिलाफ विशाल रैली निकाली। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों ने ईरान में हुई हिंसा में हजारों मौतों सहित कई अहम मुद्दे को उठाया। जर्मनी के म्यूनिख शहर में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन के दौरान ईरान की सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ। पुलिस के मुताबिक, इस विरोध प्रदर्शन में करीब 2,50,000 लोग शामिल हुए। यह रैली ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी की उस अपील का नतीजा थी, जिसमें उन्होंने तेहरान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने की मांग की थी। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाकर किया विरोध प्रदर्शन म्यूनिख की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों ने ढोल बजाकर और सरकार बदलने के नारे लगाकर विरोध किया। यह प्रदर्शन पहलवी के 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का हिस्सा था, जिसका मकसद ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाना है। ऐसी ही रैलियों की अपील लॉस एंजिल्स और टोरंटो में भी की गई थी। प्रदर्शन में लोग 1979 की क्रांति से पहले वाले ईरान के झंडे लहरा रहे थे, जिन पर शेर और सूरज के निशान बने थे।

ग्रीनलैंड को लेकर नहीं बदली ट्रंप की सोच, अब भी वो इसे हासिल करना चाहते हैं डेनमार्क की पीएम का बयान

म्यूनिख। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के रुख में थोड़ी नरमी आई है और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोई बयानबाजी नहीं की जा रही है। हालांकि डेनमार्क की सरकार को अभी भी ट्रंप की नीयत पर शक है। डेनमार्क की पीएम ने कहा है कि ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की सोच में कोई बदलाव नहीं आया है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पाने की ख्वाहिश में कोई बदलाव नहीं आया है। फ्रेडरिक्सन ने शनिवार को म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के एक पैनल में कहा, 'मुझे लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति इसे लेकर बहुत गंभीर हैं वो अब भी इस द्वीप को हासिल करने की ख्वाहिश रखते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें स्वायत्त देशों की रक्षा करनी है। हमें लोगों के फैसले लेने के अधिकार की रक्षा करनी है। ग्रीनलैंड के लोग एक चीज को लेकर बहुत स्पष्ट रहे हैं कि वे अमेरिकी नहीं बनना चाहते।' ग्रीनलैंड पर ट्रंप का बदलता रुख मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आर्कटिक में अमेरिका की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए एक यूएस-डेनमार्क-ग्रीनलैंड वर्किंग ग्रुप बनाया गया है। फ्रेडरिक्सेन ने शुक्रवार को भी इस मुद्दे पर बयान दिया था।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com । सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।